आपकी खबर, हमारी पहचान

जम्मू न्यूज़ मिशन

शहर, देश, शेयर बाजार, खेल

www.jammunewsmission.com | jammunewsmission | jammunewsmission | jammunewsmission | jammunewsmission

● वर्ष: 2 ● अंक: 5 ● पृष्ठ: 16 ● सोमवार ● सांबा (जम्मू-कश्मीर) ● 3 फरवरी, 2025 ● रुपए 5 ● Title Code No. JKHIN00426

बजट 2025 : जम्मू-कश्मीर को केंद्रीय बजट में मिली 50 हजार करोड़ की ऐतिहासिक सहायता; परियोजनाओं में आएगी तेजी

जम्मू

केंद्रीय बजट में इस बार जम्मू-कश्मीर के हिस्से 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा आए हैं। इसमें केंद्रीय सहायता, जम्मू-कश्मीर पुलिस के वेतन आदि के लिए प्रावधान हैं। बर्फबारी, भूस्खलन की समस्याओं से जूझने वाले जम्मू-कश्मीर का बजट में खास ख्याल रखा गया है।

प्रदेश को आवंटित बजट में इस बार भी ज्यादातर हिस्सा केंद्रीय सहायता का है। केंद्रीय योजनाओं, आपदा राहत निधि, पुलिस के खर्चों और निवेशकों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का बजट में बंदोबस्त किया गया है। इससे केंद्र शासित प्रदेश में चल रहीं मौजूदा केंद्रीय परियोजनाओं को रफ्तार मिलेगी।

बजट प्रावधानों के अनुसार इस बार भी प्रदेश की पुलिस के लिए 9,325 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अनुदान और ऋण सहित अन्य मदों में 41,000.07 करोड़ रुपये आवंटितकिए गए हैं। इसमें केंद्रीय सहायता के रूप में 40,619.30 करोड़ रुपये मिले हैं।

आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए 297 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे प्राकृतिक आपदाओं से बचाव और राहत कार्य में बड़ी मदद मिलेगी। विकास से जुड़ीं परियोजनाओं और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 101.77 करोड़ रुपये मिले हैं। पिछले बजट में अनुदान, ऋण व अन्य मदों में प्रदेश को 42,277.74 करोड़ रुपये मिले थे। इस बार राज्य को इससे ज्यादा की उम्मीद थी।

पर्यटन को बढ़ावा देगी रियायती हेलिकॉप्टर सेवा, प्रदेश में छात्राओं के लिए बनेंगे हॉस्टलरियायती हेलिकॉप्टर सेवा के लिए 5 करोड़ **शेष पृष्ठ 15 पर**

उपराज्यपाल ने संसद में माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री द्वारा प्रस्तुत 2025-26 के केंद्रीय बजट की सराहना की

जम्मू

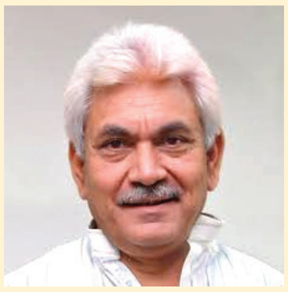

माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संसद में माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2025-2026 के केंद्रीय बजट की सराहना की। उपराज्यपाल ने एक्स पर पोस्ट किया है, विकसित भारत के लिए व्यावहारिक बजट के लिए माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को मेरा हार्दिक धन्यवाद। अर्थव्यवस्था को तेजी से पटरी पर लाने और गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए साहसिक विकास पहल के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभारी हूं। मध्यम वर्ग को बड़ा प्रोत्साहन संशोधित कर दर संरचना मध्यम वर्ग के जीवन में बदलाव लाने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। माननीय प्रधान मंत्री ने किराए पर टीडीएस सीमा बढ़ाकर, सामाजिक सुरक्षा बढ़ाकर और गिग अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाकर करदाताओं को बड़ी राहत प्रदान की है। बजट 2025-26 त्वरित विकास और निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने की **शेष पृष्ठ 15 पर**

जम्मू के अखनूर में चिकित्सा स्थितियों के कारण सेना के कैप्टन की मृत्यु

जम्मू

रविवार को जम्मू के अखनूर इलाके में चिकित्सा स्थितियों के कारण सेना के एक युवा कैप्टन की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह अचानक गिर गए और उन्हें कल देर शाम सैन्य अस्पताल अखनूर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि वाराणसी के रहने वाले अधिकारी की हालांकि चिकित्सा स्थितियों के कारण मौत हो गई। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार कल पूरे सैन्य सम्मान के साथ गृह नगर में किया जाएगा।

ओटीएम मुंबई पर पर्यटन हितधारकों ने मुख्यमंत्री, पर्यटन विभाग के प्रति संतुष्टि व्यक्त की

आशा है कि आने वाले दिनों में इस कार्यक्रम में और अधिक लोग आएंगे

मुंबई

जम्मू-कश्मीर के यात्रा और पर्यटन उद्योग ने उम्मीद जताई है कि ओटीएम में जम्मू-कश्मीर सरकार की सफल भागीदारी से यूटी में अधिक पर्यटक आएंगे, हालांकि उन्होंने आयोजन में यूटी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पर्यटन विभाग को धन्यवाद दिया है।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन उद्योग पर चल रहे ओटीएम के नतीजे पर आशावाद व्यक्त करते हुए, व्यापार नेताओं ने उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में पर्यटकों के आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

हितधारकों ने इस भागीदारी को सुविधाजनक बनाने में समर्थन के लिए मुख्यमंत्री के सलाहकार, नासिर असलम वानी, आयुक्त सचिव पर्यटन, यशा मुद्गल, निदेशक पर्यटन कश्मीर, राजा याकूब को भी धन्यवाद दिया।

व्यापार नेताओं ने जम्मू-कश्मीर पर्यटन के लिए सभी पर्यटन कार्यक्रमों और भागीदारी का एक वार्षिक कैलेंडर प्रदान करने, उद्योग की रणनीतिक दिशा को बढ़ाने के लिए पर्यटन सलाहकार बोर्ड के गठन के अलावा बेहतर योजना और समन्वय सुनिश्चित करने की मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता का भी स्वागत किया।

पर्यटन उद्योग के नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए उनकी और पर्यटन विभाग की सराहना की, उनका नेतृत्व आईएटीओ के अध्यक्ष नासिर शाह ने किया और इसमें ट्रैवल एजेंट्स सोसाइटी ऑफ कश्मीर, जम्मू और कश्मीर **शेष पृष्ठ 15 पर**

हथियार दिखाकर ग्रेटर कैलाश में दिनदहाड़े डकैती; 1.5 किलोग्राम लूटा सोना, जांच में जुटी पुलिस

जम्मू

ग्रेटर कैलाश में आभूषणों की दुकान में वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश एक बिना नंबर की स्पलेंडर बाइक से पहुंचे थे। वहीं, बाद में इसी से फरार हुए हैं। इनके भागने के बाद पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले। फव्वारा चौक से जैसे-जैसे पुलिस सीसीटीवी खंगालती गई वैसे ही उनका रूट पता चलता गया।

अंतिम लोकेशन मुरारी चक गांव की थी। इसी गांव से ये रिंग रोड पर चढ़े और फिर वहां से गायब हो गए। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद बदमाशों ने अपना हुलिया नहीं बदला **शेष पृष्ठ 15 पर**

उमर अब्दुल्ला की कट्टरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी–डॉ अभिजीत जसरोटिया

कठुआ

डॉ. अभिजीत सिंह जसरोटिया ने कहा कि बीटिंग द रिट्रीट समारोह में शामिल न होकर, एक मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला ने लोकतंत्र, भारत के संविधान और भारत के 148 करोड़ लोगों की भावना के साथ खिलवाड़ किया है।

डॉ. अभिजीत सिंह जसरोटिया, डॉ. प्रदीप महोत्रा राज्य मीडिया सचिव भाजपा और डॉ. परनीश महाजन प्रभारी प्रशिक्षण विभाग के साथ, पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह इतिहास में पहली बार है कि मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल के मंत्री उस समारोह में शामिल नहीं हुए हैं जो हमारे वाइब्रेंट डेमोक्रेसी के उत्सव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि वह भारत के संविधान के कारण मुख्यमंत्री हैं और भारत गणराज्य द्वारा संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले दिन को चूकने की गलती नहीं करनी चाहिए। डॉ. अभिजीत ने कहा कि मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल ने संविधान, संविधान निर्माताओं और उन सभी लोगों का अपमान किया है जिन्होंने लंबे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत को गणतंत्र बनाने के लिए अपना जीवन लगा दिया। उन्होंने कहा कि जो भारतीय गठबंधन अक्सर अपने सिर पर संविधान की प्रतियां ले जाते हुए देखे जाते हैं, उनके

मन में वास्तव में इसके लिए कोई सम्मान नहीं है।

डॉ. अभिजीत जसरोटिया ने सीएम उमर अब्दुल्ला से सवाल किया कि क्या वह अकबर लोन के झूठ का सहारा ले रहे हैं और पाक जिंदाबाद के नारे लगाने की तैयारी कर रहे हैं। जसरोटिया ने कहा कि सीएम उमर अभी भी गण-तंत्र के बजाय परिवार-तंत्र में रह रहे हैं, क्योंकि वह गण-तंत्र के उत्सव को चिह्नित करने के लिए समारोह में भाग लेने के लिए सरकारी अधिकारियों के सभी निमंत्रणों को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज करते हैं। जसरोटिया ने कहा कि सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारत के 148 करोड़ लोगों की भावनाओं के साथ खेला है और सीएम उमर से जवाब देने को कहा कि क्या उन्होंने और उनके मंत्रिपरिषद ने जानबूझकर लोकतंत्र के उत्सव को छोड़ दिया है। जसरोटिया ने राजनीतिक व्यक्तियों के उस वर्ग की आलोचना की जो अभी भी भारत के संविधान के समानांतर एक और संविधान लाने के बारे में सोचते हैं और भारतीय गणराज्य के तिरंगे के सामने एक और झंडा फहराना चाहते हैं।

केंद्रीय मंत्रियों को उपहार में दिए गए शॉल वापस मांगें मुख्यमंत्री : लोन

श्रीनगर

केंद्रीय बजट में जम्मू-कश्मीर को उम्मीद से कम धन मिलने का आरोप लगाते हुए पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने शनिवार को कहा कि अब समय आ गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा केंद्रीय मंत्रियों को उपहार मंए दिए गए शॉल वापस मांगें। साथ ही गांदरबल जिले के सोनमर्ग में बादल रहित मौसम पर की गई अपनी टिप्पणी को संशोधित करें।

एक्स पर लोन ने लिखा है कि केंद्रीय बजट में जम्मू-कश्मीर के आवंटन में इस बार कमी की गई है। केंद्रीय बजट में जम्मू-कश्मीर को प्रस्तावित आवंटन लगभग 41,000 करोड़ रुपये है। यह पिछले आवंटन से लगभग 1,000 करोड़ कम है। मुद्रास्फीति के लिए समायोजित करने पर इसमें 2,000 से 3,000 करोड़ रुपये की और कमी की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का कर्तव्य स्कीइंग और सेल्फी से कहीं आगे तक जाता है। यह एक गंभीर और पवित्र व्यवसाय है। जो करना है, करो।

उपराज्यपाल ने हैदराबाद में दक्षिण भारत बीएचयू पूर्व छात्र सम्मेलन को संबोधित किया

1916 में अपनी स्थापना के बाद बीएचयू ने स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को पोषित किया और लोगों में चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई–एलजी सिन्हा

हैदराबाद

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हैदराबाद के आईआईसीटी ऑडिटोरियम में दक्षिण भारत बीएचयू पूर्व छात्र सम्मेलन को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने बनारस हिंदू विष्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं।

उपराज्यपाल ने कहा कि बीएचयू के पूर्व छात्रों का सम्मेलन महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के दृष्टिकोण और प्रभावशाली सामुदायिक निर्माण के प्रति साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। महामना का दृष्टिकोण एक ऐसा विष्वविद्यालय बनाना था जो एक नए भारत का निर्माण करेगा। बीएचयू ने उनका सपना सफलतापूर्वक पूरा किया। इसने न केवल हमारे मूल आदर्शों, परंपरा और मूल्यों को संरक्षित किया है, बल्कि संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को बदलकर देश की नियति को भी आकार दिया है।

उपराज्यपाल ने कहा कि बनारस हिंदू विष्वविद्यालय ने 1916 में अपनी स्थापना के बाद स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को पोषित किया और लोगों में चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपराज्यपाल ने कहा, महामना के तीन प्रमुख उद्देश्यों भारत को आजाद कराना, विकसित भारत के लिए उद्योगों का पुनर्निर्माण करना और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं को सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली के साथ तैयार करना, पर आधारित आदर्शों ने आधुनिक और आत्मनिर्भर देश की नींव रखी। महामना ने हमेशा कहा था कि भारत को आर्थिक सशक्तिकरण और सांस्कृतिक ज्ञान की आवश्यकता है और इसीलिए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि बीएचयू ज्ञान, संस्कृति, देशभक्ति का संगम बने। बीएचयू को हमेशा क्रांतिकारी विचारों की प्रजनन भूमि के रूप में याद किया जाएगा जिसने आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा का मार्गदर्शन किया है।

एसडब्ल्यूडी ने रीचा फाउंडेशन के सहयोग से कटिंग और टेलरिंग कार्यक्रम का उद्घाटन किया

सांबा

संकल्पः एचईडब्ल्यू, मिशन शक्ति, सांबा के सहयोग से रीचा फाउंडेशन द्वारा गोरान पंचायत में कटाई और सिलाई पर एक महीने के आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को महिला उद्यमियों के लिए स्वरोजगार हेतु कौशल विकास योजना के बारे में जागरूक करना था। महिलाओं में आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता लाने के लिए कौशल विकास एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह महिला सशक्तिकरण, उत्पादकता, रोजगार क्षमता और कमाई के अवसरों में सुधार का एक शक्तिशाली साधन है।

सुश्री ईशा बाली, सहायक प्रबंधक (रीचा फाउंडेशन), श्री रवि, (फील्ड पर्यवेक्षक), सुश्री रितिका बनोत्रा, लिंग विशेषज्ञ और सुश्री अनुराधा, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ (संकल्पः HEW) सुश्री मोनिका (जुटाना) थीं कार्यक्रम में मौजूद. आजीविका प्रशिक्षण के लिए 40 से अधिक स्थानीय महिलाओं को नामांकित किया गया था।

इस अवसर पर बोलते हुए, संकल्पः एचईडब्ल्यू टीम ने सभी लाभार्थियों को प्रोत्साहित किया और उन्हें अपना स्वयं का सेटअप खोलने के लिए प्रेरित किया जिसके माध्यम से वे अपनी आजीविका उत्पन्न कर सकें। संकल्प टीम ने विभिन्न महिला केंद्रित योजनाओं के बारे में बताते हुए महिलाओं और लड़कियों के बीच बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर जागरूकता बढ़ाई। अंत में सभी लाभुकों के बीच जलपान का भी वितरण किया गया।

टीम ने उम्मीदवारों को विभिन्न वित्तीय योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया जो उनके स्व-रोजगार उद्यम खोलने के लिए फायदेमंद हैं और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विभाग उन्हें विभिन्न वित्तीय संस्थानों के साथ बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज प्रदान करके अपने स्टार्ट-अप खोलने के लिए मार्गदर्शन करेगा।

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में ताजा बर्फबारी से प्रशासन हाई अलर्ट पर

जम्मू

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में बर्फबारी का ताजा दौर शुरू हो गया है, जहां ऊंचाई वाले कई इलाकों में एक फुट से ज्यादा बर्फ जम गई है। बर्फबारी ने जिले के ऊपरी इलाकों में कई इलाकों को प्रभावित किया है और प्रशासन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पहुंच मार्गों को साफ करने के लिए हाई अलर्ट पर है। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) नूराबाद, बसीर उल हसन ने कहा कि सुबह-सुबह सभी प्रमुख सड़कों को साफ कर दिया गया और संबंधित विभाग सुचारू संपर्क बनाए रखने के लिए मशीनरी के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों के लिए सलाह जारी की है जिसमें उन्हें यात्रा करते समय सावधानी बरतने और मौसम की स्थिति के बारे में अपडेट रहने का आग्रह किया गया है। स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए जिला अधिकारी आवश्यक संसाधनों और कर्मियों के साथ पूरी तरह से तैयार हैं। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अनावश्यक यात्रा न करें, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में और प्रशासन द्वारा जारी सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें।

डीआईपीआर ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे संस्करण की मेजबानी की

जम्मू

सूचना और जनसंपर्क विभाग जम्मू और कश्मीर ने कन्वेंशन सेंटर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे संस्करण का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में प्रख्यात वैज्ञानिक एक साथ आए, जिन्होंने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और अंतरिक्ष और मिसाइल प्रौद्योगिकी में अग्रणी डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की दूरदर्शी विरासत को श्रद्धांजलि देते हुए विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक व्याख्यान दिए। दूसरे संस्करण के लिए व्याख्यान श्रृंखला का विषय था, 'सपनों की शक्तिः कैसे बड़े विचार दुनिया को बदल सकते हैं।'

व्याख्यान श्रृंखला में दो प्रतिष्ठित वक्ता शामिल थे जिन्होंने अपनी विशेषज्ञता साझा की और अपनी विचारोत्तेजक प्रस्तुतियों से दर्शकों को प्रेरित किया।

पूर्व प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, इसरो के एसोसिएट निदेशक और इसरो के पूर्व सतीश धवन प्रोफेसर डॉ. वेल्लांकी शेषगिरी राव ने इस विषय कक्षा से ब्रह्मांड तक, अंतरिक्ष अन्वेषण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रेरणादायक यात्रा पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राव के व्याख्यान में डॉ. कलाम के इस विश्वास पर प्रकाश डाला गया कि ज्ञान और नवाचार, जब कक्षाओं में पोषित होते हैं, तो मानवता को अकल्पनीय ऊंचाइयों, यहां तक कि ब्रह्मांड तक भी ले जा सकते हैं।

उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की भविष्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

एनआईएएस, आईआईएससी में सहायक प्रोफेसर और सीएसआईआर के पूर्व निदेशक और भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डीएसटी सलाहकार डॉ. मनोज कुमार पटैरिया ने दूरदर्शी नेतृत्व, सपनों को वास्तविकता में बदलना विषय पर बात की। डॉ. पटैरिया का व्याख्यान डॉ. कलाम के जीवन और कार्य से प्रेरणा लेते हुए महत्वाकांक्षी सपनों को मूर्त उपलब्धियों में बदलने में दूरदर्शी नेतृत्व की भूमिका पर केंद्रित था। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सफलता हासिल करने में दृढ़ता, नवाचार और नेतृत्व के महत्व को रेखांकित किया।

अपने स्वागत भाषण में सूचना निदेशक जतिन किशोर ने मिसाइल प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष संगठनों में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के उल्लेखनीय योगदान के बारे में बात की। उन्होंने अनगिनत वैज्ञानिकों और छात्रों के लिए एक गुरु और प्रेरणा के रूप में डॉ. कलाम की भूमिका पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि कैसे उनकी विरासत भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का मार्गदर्शन करती रहती है।

इस कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक सूचना (मुख्यालय) विवेक पुरी, संयुक्त निदेशक सूचना जम्मू अतुल गुप्ता, उप निदेशक सूचना (पीआर एंड एवी) दीपक दुबे, उप निदेशक सूचना (केंद्रीय) सुनील कुमार, उप निदेशक (पीआर) जम्मू, उप निदेशक (मुख्यालय) जम्मू, सूचना अधिकारी, लेखा अधिकारी और अन्य स्टाफ सदस्य शामिल हुए।

उपायुक्त किश्तवाड़ ने आईवाईसी-2025 के लिए गतिविधियों के कैलेंडर को मंजूरी दी, एम-पैक्स के कामकाज की समीक्षा की

किश्तवाड़

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के लिए गतिविधियों के कैलेंडर को मंजूरी देने के लिए तीसरी जिला स्तरीय सहकारी विकास समिति की बैठक उपायुक्त राजेश कुमार शवन की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

गहन चर्चा के बाद, उपायुक्त द्वारा गतिविधियों के एक व्यापक कैलेंडर को मंजूरी दी गई, जिसमें कृषि और संबद्ध विभागों के सहयोग से सहकार मेला, स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता और प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शामिल था।

समिति ने कालाज़ीरा, अखरोट और राजमाश में नई सहकारी समितियों/एफपीओ के गठन की योजना को भी मंजूरी दी।

इसके अतिरिक्त, समिति ने पिछली दो संयुक्त कार्य समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा की।

इसके अलावा, उपायुक्त ने डिप्टी रजिस्ट्रार, सहकारी समितियों और अन्य समिति सदस्यों को नई एम-पैक्स, डेयरी और मत्स्य पालन सहकारी समितियों के गठन में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उन्होंने संबद्ध विभागों के सहयोग से जागरूकता शिविरों के माध्यम से सहकारी सदस्यता जुटाने के लिए संभावित पंचायतों की पहचान करने का भी निर्देश दिया।

इससे पहले, डिप्टी रजिस्ट्रार, सहकारिता, मिर्जा मुमताज इकबाल ने जिले में सहकारी क्षेत्र के समग्र परिदृश्य का अवलोकन प्रदान किया।

बैठक में डिप्टी रजिस्ट्रार सहकारी/ईओ नगर पालिका किश्तवाड़ मिर्जा मुमताज इकबाल, एडी हस्तशिल्प प्रदीप शान, सीएचओ किश्तवाड़ साजिद मुस्तफा, डीएसएचओ किश्तवाड़, एलडीएम किश्तवाड़, डीडीएम नाबार्ड, एआर सहकारी, सहकारी विभाग के कर्मचारी और अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने कटरा में एनएच-1सी भूमि अधिग्रहण स्थल और सरकारी स्कूल का निरीक्षण किया

रियासी

उपायुक्त निधि मलिक ने 20 मीटर स्पान पुल के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण का आकलन करने के लिए कोटली मनोतेरियन गांव में एनएच-1सी का स्थलीय निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भूमि मालिकों को मुआवजे का समय पर वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए पुल निर्माण तत्काल शुरू करने का निर्देश दिया।

दौरे के दौरान, उपायुक्त ने सरकारी हाई स्कूल भग्गा का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने कक्षा की स्थिति की समीक्षा की और शिक्षकों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। उन्होंने साफ-सफाई और रख-रखाव के लिए स्कूल अनुदान के उचित उपयोग पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आदेश दिया कि स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए स्कूल के सफाई कर्मचारी प्रतिदिन उपस्थित रहें।

जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निधि मलिक ने तहसीलदार को नियमित स्कूल निरीक्षण करने का निर्देश दिया. उन्होंने शैक्षिक बुनियादी ढांचे और छात्र कल्याण में सुधार के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, स्वच्छता मानकों को पूरा नहीं करने पर प्रभारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया।

इस अवसर पर एसीआर अंशुमालि शर्मा, एसडीएम कटड़ा पीयूष धोत्रा, तहसीलदार कटड़ा, एक्सईएन भी उपस्थित थे।

जम्मू न्यूज़ मिशन

उपराज्यपाल ने महात्मा गांधी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

गांधी ग्लोबल फैमिली द्वारा आयोजित शांति दूत सम्मेलन में भाग लिया, सभी नेताओं, सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि दी

हर आंख से आंसू पोंछना हमारे जीवन का आदर्श वाक्य होना चाहिए-एलजी सिन्हा

वंचित वर्ग का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और समाज की सामूहिक ताकत को गरीब से गरीब व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा में लाना चाहिए-एलजी

उपराज्यपाल ने सेना के बहादुर जवानों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया, युवाओं, प्रमुख नागरिकों को गांधी दूत सम्मान से सम्मानित किया

जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपराज्यपाल ने कहा सत्य और अहिंसा के सिद्धांत और मूल्य, जिनके लिए गांधीजी हमेशा प्रतिबद्ध थे, समय और स्थान से परे हैं। वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके जीवनकाल में थे। उन्होंने मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान और प्रत्येक भारतीय की भलाई के लिए हमारा मार्गदर्शन किया है।

गांधी ग्लोबल फैमिली द्वारा आयोजित शांति दूत सम्मेलन में भाग लेते हुए, उपराज्यपाल ने सेना के बहादुर जवानों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया, और उन सभी नेताओं, सेनानियों और शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए खुद को समर्पित किया।

उपराज्यपाल ने कहा आज हम जिस दुनिया में रह रहे हैं, वह संघर्षों का गवाह बन रही है। दुनिया के कई हिस्सों में, समाजों को चल रही आक्रामकता के कारण व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में शांति और अहिंसा की आवश्यकता गहराई से महसूस की जा रही है। मुझे विश्वास है कि इस स्थिति में बापू के आदर्श मानवता को सही रास्ता दिखाएंगे।

उपराज्यपाल ने समाज के हर वर्ग से खुद को महात्मा गांधी के आदर्शों और मूल्यों के प्रति फिर से समर्पित करने और गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए एक साथ आने और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अपना बहुमूल्य योगदान देने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने कहा पूज्य बापू ने एक बार कहा था कि उनके जीवन का मिशन हर आंख से आंसू पोंछना है। यह हमारे जीवन का आदर्श वाक्य होना चाहिए। वंचित वर्ग का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और समाज की सामूहिक ताकत को सबसे गरीब लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने और सत्य, अहिंसा और सामाजिक सद्भाव के महान संदेश को फैलाने के निरंतर प्रयासों के लिए गांधी ग्लोबल फैमिली जेएंडके की सराहना की।

गांधी ग्लोबल फैमिली जेएंडके के अध्यक्ष, पद्मश्री डॉ. एसपी वर्मा द्वारा रखी गई मांग का जवाब देते हुए, उपराज्यपाल ने आश्वासन दिया कि महीने भर चलने वाला गांधी जयंती समारोह पिछले अभ्यास के अनुसार पूरे जम्मू-कश्मीर में जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बापू के आदर्शों पर चलकर ही मानवता जम्मू कश्मीर, देश और दुनिया में शांति, सद्भाव और विकास का सही रास्ता और लक्ष्य हासिल कर सकती है।

इस अवसर पर उपराज्यपाल को गांधी ग्लोबल फैमिली द्वारा शांति दूत सम्मान से सम्मानित किया गया। पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं में डॉ. एस.पी. वर्मा, प्रोफेसर विश्व मूर्ति शास्त्री, डॉ. जितेंद्र उधमपुरी और रोमालो राम शामिल हैं। उपराज्यपाल द्वारा मेधावी छात्रों और युवाओं को गांधी दूत सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपिता और भारत की आजादी के संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। गांधी जी के दृष्टिकोण, आदर्शों और दर्शन को बनाए रखने और बढ़ावा देने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अटल डुल्लू, एडीजीपी जम्मू आनंद जैन, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, नागरिक प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा बलों के सेवानिवृत्त और सेवारत अधिकारी; गांधी वैश्विक परिवार के सदस्य, शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी, विधान सभा सदस्य जम्मू पूर्व युद्धवीर सेठी, रामबन विधानसभा के सदस्य अर्जुन सिंह राजू और प्रमुख नागरिक भी उपस्थित थे।

मुंबई ओटीएम में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के पर्यटन विकास, सांस्कृतिक प्रदर्शन की सराहना की

जम्मू-कश्मीर पर्यटन मंडप का दौरा किया, पर्यटन और व्यापार हितधारकों के साथ बातचीत की

मुंबई

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले एशिया के सबसे बड़े ट्रैवल ट्रेड शो, आउटबाउंड ट्रैवल मार्ट 2025 में जम्मू-कश्मीर पर्यटन मंडप का दौरा किया। 30 जनवरी से 1 फरवरी तक चलने वाला यह आयोजन दुनिया भर से प्रदर्शकों और खरीदारों को एक साथ लाया है, जिससे गंतव्यों को अपनी अनूठी पेशकश प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया है। इस वर्ष, जम्मू और कश्मीर ने 120 पर्यटन व्यापार और ट्रैवल ऑपरेटरों की भागीदारी के साथ एक मजबूत छाप छोड़ी है, जो इस क्षेत्र की अद्वितीय पर्यटन क्षमता को उजागर करता है। अपने लुभावने परिदृश्यों से लेकर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तक, मंडप ने प्रदर्शित किया कि क्यों जम्मू और कश्मीर दुनिया भर के यात्रियों के लिए एक अवश्य देखने लायक स्थान है। दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने ट्रैवल ऑपरेटरों, कारीगरों और पर्यटन अधिकारियों सहित हितधारकों के साथ बातचीत की और उनकी भागीदारी के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की विविध प्रस्तुतियों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने के प्रयासों की सराहना करते हुए मंडप का विस्तृत निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि पर्यटन उनकी सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और वे जम्मू-कश्मीर को वैश्विक पर्यटन हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, ओटीएम जैसे कार्यक्रमों में हमारी भागीदारी इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने पर्यटन विभाग को देश भर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख ट्रैवल मार्टों में सक्रिय रूप से शामिल होकर अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उनकी सरकार पर्यटन उद्योग को समर्थन देने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जम्मू-कश्मीर वैष्विक मंच पर चमकता रहे। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के साथ उनके सलाहकार नासिर असलम वानी, अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, निदेशक पर्यटन कश्मीर और एमडी जेकेटीडीसी भी थे। इस अवसर पर, हितधारकों ने नए सहयोग बनाने और जम्मू-कश्मीर में अधिक आगंतुकों को आकर्षित करने के बारे में आशावाद व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा में विकास कार्यों का शिलान्यास किया

नौशेरा (राजौरी)

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने पीडब्ल्यूडी डाक बंगला, नौशेरा में कॉन्फ्रेंस हॉल के उन्नयन और पलाश नौशेरा के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी। 249.39 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से बनाए जाने वाले कॉन्फ्रेंस हॉल के उन्नयन का उद्देश्य क्षेत्र में कॉन्फ्रेंस और बैठक सुविधाओं में सुधार करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, सुरिंदर चैधरी ने कुशल प्रशासन और बेहतर सेवा वितरण की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उन्नत सम्मेलन कक्ष आधिकारिक बैठकों, सार्वजनिक बातचीत और अन्य महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के लिए एक आधुनिक स्थल के रूप में काम करेगा। इसके अतिरिक्त, 107.48 लाख रुपये की अनुमानित लागत से किए जाने वाले पलाश नौशेरा पर रीमॉडलिंग कार्य का भी उपमुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया। परियोजना का लक्ष्य निवासियों को बेहतर वातावरण प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी और जन प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्होंने उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ दोनों परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के प्रति अपना समर्पण दोहराया। ये बुनियादी ढांचा विकास पहल नौशेरा में सार्वजनिक सेवा सुविधाओं और शहरी सुविधाओं में सुधार के लिए वर्तमान प्रशासन के व्यापक एजेंडे का हिस्सा हैं, जो समग्र क्षेत्रीय विकास पर सरकार के फोकस को मजबूत करती है।

मुख्य सचिव ने भूमि रिकॉर्ड के पूर्ण डिजिटलीकरण के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि की

जम्मू

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर के राजस्व गांवों के भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में वित्तीय आयुक्त राजस्व के अलावा आयुक्त सचिव एच एंड यूडीडी, सचिव राजस्व, निदेशक भूमि अभिलेख, एसआईओ एनआईसी के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए, अटल डुल्लू ने डीआईएलआरएमपी के तहत भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और रखरखाव को बढ़ावा देने में यूटी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और इसे पूरा करने के लिए अधिकारियों पर दबाव डाला।

गुणवत्तापूर्ण भूमि रिकॉर्ड के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि डिजिटल रूप से अद्यतन और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड भूमि संसाधनों के अनुकूलन और नीति और योजना में सहायता के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा वितरण की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने के लिए भूमि रिकॉर्ड तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भू-संदर्भित कैडस्टल मानचित्रों के साथ डिजिटलीकृत रिकॉर्ड का एकीकरण आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने विभाग पर राजस्व विशेषज्ञों की टीमों का गठन करने के लिए दबाव डाला, जो इस डिजीटल रिकॉर्ड की सटीकता का आकलन करने के लिए जिलों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि इन रिकॉर्डों की गुणवत्ता और सटीकता की जांच करना महत्वपूर्ण है और लोगों को किसी भी विसंगति के लिए अपने संबंधित रिकॉर्ड की जांच करने में स्वयं आगे आना चाहिए ताकि इन्हें समय पर ठीक किया जा सके।

यह मानते हुए कि राजस्व विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली अधिकांश सेवाओं की लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत गारंटी है, सीएस ने विभिन्न स्तरों पर प्रभावी निगरानी सेवा वितरण का आह्वान किया। उन्होंने अंतिम समय में आवेदनों को वापस करने या रद्द करने पर रोक लगाने के लिए कहा क्योंकि यह पीएसजीए के उद्देश्य को विफल करता है।

राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान आधारित शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण के संबंध में, मुख्य सचिव ने इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण महत्व देने पर जोर दिया क्योंकि यह भूमि के स्वामित्व पर स्पष्टता प्रदान करेगा और शहरी क्षेत्रों में भूमि संबंधी विवादों को हल करेगा। अटल डुल्लू ने कहा कि कार्यक्रम के पूरा होने से यह सुनिश्चित होगा कि शहरी भूमि रिकॉर्ड सटीक और अद्यतन होगा, जिससे शहरी नागरिक सशक्त होंगे, जीवन में आसानी होगी और बेहतर शहरी नियोजन सक्षम होगा।

बैठक के दौरान डीआईएलआरएमएस में अब तक हुई प्रगति और यहां से उठाए जाने वाले भविष्य के कदमों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। बताया गया कि डीआईएलआरएमपी के संबंध में पर्याप्त प्रगति हासिल की गई है और 6850 गांवों में से 6839 में जमाबंदियों का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है।

वेक्टरकृत ग्राम मानचित्रों के संबंध में बताया गया कि उनके वेक्टरीकृत मानचित्रों और भू-संदर्भित गांवों की संख्या क्रमशः 6518 और 6261 है। विभाग वर्तमान में इन अभिलेखों की गुणवत्ता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन प्रक्रिया में लगा हुआ है।

मुख्य सचिव ने नशीली दवाओं के खतरे के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए परिणाम-उन्मुख कार्य योजना पर जोर दिया

जम्मू

नागरिक सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पूर्ण उन्मूलन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने सभी हितधारकों से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के लिए परिणामोन्मुख तरीके से काम करने का आग्रह किया।

बैठक में प्रमुख सचिव गृह, आयुक्त सचिव समाज कल्याण, आयुक्त सचिव एच-यूडीडी, आयुक्त सचिव जीएडी, एडीजीपी जम्मू, संभागीय आयुक्त कश्मीर/जम्मू, सचिव आरडीडी, निदेशक सूचना, औषधि नियंत्रक, उपायुक्त और अन्य संबंधित अधिकारी भी षामिल हुए।

मुख्य सचिव ने सूचना विभाग को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अन्य विभागों के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया। उन्होंने पोस्टर, नारे, सोशल मीडिया, सार्वजनिक परिवहन और बाहरी स्थानों पर विज्ञापनों सहित जन जागरूकता अभियानों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभाग को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों और इस बढ़ते खतरे से व्यक्तियों और समाज को बचाने के तरीकों पर प्रकाश डालने वाली एक लघु फिल्म बनाने का भी निर्देश दिया।

बहु-आयामी रणनीति पर जोर देते हुए, अटल डुल्लू ने कहा कि कड़े उपायों को लागू करके, हमारा लक्ष्य नशीली दवाओं के नेटवर्क को खत्म करना, इसकी मांग को कम करना और एक स्वस्थ, सुरक्षित समाज बनाना है।

जागरूकता कार्यक्रम छात्रों को रोकथाम रणनीतियों पर शिक्षित करने, मानसिक स्वास्थ्य सहायता की भूमिका पर जोर देने, नशीली दवाओं के विरोधी अभियानों में युवाओं को शामिल करने पर केंद्रित होगा।

व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, मुख्य सचिव ने पुलिस, स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण और ग्रामीण विकास विभागों को प्रत्येक पंचायत को कवर करने वाली गतिविधियों का एक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया। इससे विशेषकर छात्रों और युवाओं के बीच नशामुक्ति अभियान की गति तेज होगी।

उपायुक्त ने किश्तवाड़ में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा की

किश्तवाड़

किश्तवाड़ के उपायुक्त राजेश कुमार शवन ने जिले में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में विभिन्न योजनाओं के तहत हुई प्रगति का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

नोडल अधिकारी एचएडीपी/मुख्य कृषि अधिकारी, किश्तवाड़ अमजद हुसैन मलिक ने कार्यक्रम की प्रगति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में कुल 14,314 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 10,532 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें कृषि क्षेत्र में 7,996, बागवानी में 331, पशुपालन में 1,425, भेड़ पालन में 589, रेशम उत्पादन में 167, मत्स्य पालन में 18 और विपणन क्षेत्र में 6 आवेदन शामिल हैं, जैसा कि जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है।

समीक्षा के दौरान, उपायुक्त ने जिले भर में पात्र उम्मीदवारों के पंजीकरण को अधिकतम करने के महत्व पर जोर दिया और कार्यक्रम में अधिक से अधिक पहुंच और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में बागवानी, मत्स्य पालन, भेड़ पालन और पशुपालन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भौतिक और वित्तीय उपलब्धियों की व्यापक समीक्षा भी शामिल थी।

उपायुक्त ने एचएडीपी में प्रगति सुनिश्चित करने और यूटी में शीर्ष रैंक हासिल करने के लिए सभी संबद्ध विभागों के लिए नए लक्ष्य भी निर्धारित किए। इनमें कुल लक्ष्यों की संख्या किसान साथी पोर्टल के लिए 7,350, दक्ष किसान के लिए 1,600, और केकेजी ऐप में खेतों को जोड़ने के लिए 750 शामिल है।

समीक्षा बैठक में सीपीओ किश्तवाड़ शाहनवाज बाली, सीएचओ किश्तवाड़ साजिद मुस्तफा, डीएसएचओ किश्तवाड़, डीएओ किश्तवाड़, एसडीओ, एसडीएओ, एसएमएस और कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

महाकुंभ की त्रासदी

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर तड़के हुए हादसे में कुछ श्रद्धालुओं की मौत की घटना निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। यूं तो अतीत में भी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक व उज्जैन के कुंभों के दौरान भी कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई हैं, लेकिन सवाल है कि क्या हम अतीत के हादसों से कोई सबक ले पाए हैं? यंट तो उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा मेला प्रबंधन व सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्त के दावे किए गए थे, लेकिन मौनी अमावस्या की घटना ने यह दुखद स्थिति पैदा कर दी है। करोड़ों तीर्थयात्रियों का अचानक किसी धार्मिक आयोजन में पहुंचना निश्चित रूप से शासन व प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती बन जाती है। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की प्राथमिकता दुर्घटना मुक्त आयोजन ही होना चाहिए। दरअसल, ऐसे आयोजनों में तीर्थयात्रियों की जल्दीबाजी और पहले स्नान करने की होड़ अकसर ऐसी भगदड़ पैदा कर देती है। जो बताती है कि हम सार्वजनिक जीवन में ऐसे बड़े आयोजनों में अनुशासित व्यवहार करने से चूक जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम इस बात का भी संकेत है कि कुंभ के आयोजनों में पिछले बड़े हादसों के सबक हम पूरी तरह सीख नहीं पाए हैं। हालांकि, शासन-प्रशासन को इस बात का अंदाज था कि इस बार करोड़ों की भीड़ जुटेगी, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं सावधानी में चूक तो हुई है। निस्संदेह, महाकुंभ का आयोजन भारतीय सनातन परंपरा का अटूट हिस्सा रहा है। बिना चिट्ठी व तार देश के कोने-कोने से तीर्थयात्री महाकुंभ में जुटते हैं। कल्पवास में संयमित जीवन से आध्यात्मिक लाभ अर्जित करते हैं। लेकिन बदलते वक्त के साथ यातायात के साधनों की उपलब्धता से ऐसे आयोजनों पर भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मीडिया की सक्रियता ऐसे आयोजन के प्रति अतिरेक आकर्षण पैदा कर देती है, जिससे श्रद्धालुओं का अप्रत्याशित सैलाब कुंभ नगरी की तरफ मुड़ जाता है। निश्चित रूप से समय के साथ आये सामाजिक बदलावों के मद्देनजर शासन-प्रशासन को महाकुंभ के आयोजन में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

निश्चित रूप से महाकुंभ के आयोजन से जुड़े तंत्र को उन कारकों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, जिसके चलते इस त्रासदी की छाया प्रयागराज महाकुंभ पर पड़ी। उन तमाम संभावनाओं पर विचार करने की जरूरत है जो कुंभ जैसे बड़े आयोजनों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में सहायक हो सकती हैं। हालांकि, प्रयागराज महाकुंभ में एआई, ड्रोन व कंप्यूटरों के जरिये व्यापक सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी की जा रही है, लेकिन अभी भी अफवाहों व भगदड़ की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिये और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। तीर्थयात्रियों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि वे धैर्य के साथ अपनी स्नान की बारी का इंतजार करें। साथ ही अफवाहों व जल्दीबाजी से बचें। बताया जाता है कि प्रयागराज हादसे में भी कुछ तीर्थयात्रियों द्वारा स्नान में जल्दीबाजी करने तथा अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स पर चढ़ने पर मची अफरातफरी को कारण बताया गया। लेकिन इसके बावजूद पुलिस व अधिकारियों की चूक को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से वे भीड़ के मिजाज को समय रहते भांप लिया जाता तो शायद हादसे को टाला जा सकता। हालांकि, मृतकों के परिजनों व घायलों को मुआवजा देने की घोषणा की गई है। साथ ही न्यायिक जांच के भी आदेश दिए गए हैं। इसके बावजूद इस बात की गहन जांच जरूरी है कि स्थिति कैसे नियंत्रण से बाहर हो गई। यह एक निर्विवाद सत्य है कि गोपनीयता का पर्दा डालने से केवल अफवाहों व गलत सूचनाओं को ही बढ़ावा मिलता है। बहरहाल, आने वाले समय में श्रद्धालुओं को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने की भी जरूरत होगी कि वे अपने आसपास के घाट पर ही स्नान करके समान पुण्य अर्जित कर सकते हैं। यह भी कि संगम के सभी घाट समान रूप से पवित्र हैं। इससे चुनिंदा घाटों पर तीर्थयात्रियों का दबाव नहीं बनेगा। साथ ही श्रद्धालुओं को अनुशासित व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना भी बेहद जरूरी है। ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

मुख्य संपादक
विवेक धल्लम

लोक लुभावन भी और राजनीतिक भी

उमेश चतुर्वेदी

केन्द्रीय बजट में कृषि और महिलाओं पर भी फोकस किया गया है। पीएम धन-धान्य योजना का प्रस्ताव किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया गया। इससे किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए लाभ होगा।

बजट की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया पर एक खबर जुगनू की तरह आई और तत्काल लुप्त हो गई थी। जिसने जुगनू के उस प्रकाश को देखा और उसके संकेतों को समझने की कोशिश की थी, उन्हें इस बात का आभास हो गया था कि आम बजट में क्या होने जा रहा है। सोशल मीडिया पर आए उस समाचार में कहा गया था कि केंद्र सरकार के प्रति मध्य वर्ग पहले की तरह उत्साही नहीं है। किंचित वह केंद्र सरकार के कामकाज और सरकार की ओर से हो रही बेरुखी से वह परेशान और निराश है। सोशल मीडिया पर मध्य वर्ग की ऐसी प्रतिक्रियाओं पर मोदी की नजर रहती है। इसे देखते हुए उन्होंने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे लोगों से सीधा संवाद करें। सोशल मीडिया यही खबर थी। लेकिन इस खबर के संकेत साफ थे। आम बजट में मध्य वर्ग को राहत मिलने के आसार तभी दिखने लगे थे। निर्मला सीतारमण की ओर से बारह लाख 75 हजार रूपए तक की आय पर मिली आयकर छूट को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और कुछ महीनों बाद देश की राजनीति की धड़कन माने जाने वाली मगध की धरती यानी बिहार में भी चुनाव होना है। निर्मला सीतारमण की ओर से मिली आयकर छूट से सरकारी कर्मचारियों की भी राजधानी मानी जाने वाली दिल्ली चुनाव पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। शायद यही वजह है कि अरविंद केजरीवाल मोदी सरकार के बजट से खुश नहीं हैं और कह रहे हैं कि इस बजट से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। इस बजट में बिहार को बहुत कुछ मिला है। निर्मला सीतारमण ने बजट प्रस्ताव में बिहार के किसानों के लिए मखाना बोर्ड का एलान किया है। इससे बिहार के मखाना किसानों को राहत मिलने के आसार है। इसके उत्पादन, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और मार्केटिंग के अवसर बढ़ेंगे। जाहिर है कि इसका सीधा फायदा बिहार के ही लोगों को मिलेगा। बजट प्रस्तावों में मखाना निकालने के काम में लगे लोगों के लिए भी सरकारी राहत की बात की गई है। यानी मखाना उत्पादक, उसके वितरक और उसके कामगार, सबको राहत और मौका देने की बात की गई है। प्रस्तावित मखाना बोर्ड की एक और जिम्मेदारी होगी। वह किसानों को प्रशिक्षण और सहयोग भी देगा। साथ ही उन्हें सरकार की तरफ से मिलने वाले फायदों को भी सुनिश्चित करेगा।

वैसे देखें तो मध्य वर्ग को केंद्र सरकार ने इन बजट प्रस्तावों के जरिए एक लाख करोड़ रुपए का उपहार दिया है। इसमें 12 लाख 75 हजार रुपए की आमदनी वाले लोगों को जहां टैक्स में 80 हजार रुपए का फायदा हुआ है। आयकर में छूट की मांग अरसे होती रही है। पिछले कई बजट में ऐसी छूट नहीं मिलती थी तो लोग इसे लेकर निराश होते रहते थे। बहरहाल 16 लाख रुपए की आमदनी वाले लोगों को टैक्स में 50 हजार रुपए का फायदा हुआ है तो 18 लाख रुपए की आमदनी वाले को टैक्स में 70 हजार रुपए का लाभ दिख रहा है। इसी तरह 20 लाख रुपए की आमदनी वाले को 90 हजार रुपए का फायदा होगा तो 25 लाख रुपए की आमदनी वाले को एक लाख दस हजार रुपए का नए टैक्स नियमों से फायदा होगा। इसी तरह 50 लाख रुपए की आमदनी वाले को भी एक लाख दस हजार रुपए का फायदा हो रहा है। जाहिर है कि मध्य वर्ग को इससे फायदा होता नजर आ रहा है। वायस ऑफ बैंकिंग के प्रमुख अश्विनी राणा के अनुसार, टैक्स बचने से लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आयेगा। इससे लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है।

केन्द्रीय बजट में कृषि और महिलाओं पर भी फोकस किया गया है। पीएम धन-धान्य योजना का प्रस्ताव किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया गया। इससे किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए लाभ होगा। भारतीय पोस्ट यानी इंडियन पोस्ट के दफ्तरों के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। इसका लाभ भी किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा। एमएसएमई को राष्ट्रीय मिशन के रूप में लिया जाएगा और नए वर्गीकरण तथा ऋण में भी बढ़ोतरी से लाभ होगा। एमएसएमई को भी क्रेडिट कार्ड देने की तैयारी है। इसके साथ ही बजट प्रस्तावों में राज्यों को शहरों में पूंजीगत योजनाओं में निवेश के लिए ऋण से जहां विकास होगा वहीं रोजगार भी मिलेगा। इसके साथ ही, सक्षम आंगनवाड़ी 2.0 के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। ऊर्जा और जल मिशन पर भी फोकस किया गया है। रोजगार पैदा करने के लिए पर्यटन केंद्रों और आध्यात्मिक स्थलों का विकास अच्छा प्रयास है। सरकार ने इसी तरह बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश को 75 से 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। इससे बीमा क्षेत्र में विकास की उम्मीद है। अश्विनी राणा का कहना है कि इसके बावजूद सरकार को सचेत रहना होगा और बीमा कंपनियों को जनता को लूटने से बचाना होगा। सरकार को इसके लिए कड़ी निगरानी रखनी होगी। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के लिए नए कोड की घोषणा शीघ्र होगी। जीवन रक्षक दवाइयों पर आयात शुल्क समाप्त करने से रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। हर जिले में कैंसर के इलाज की सुविधा देना भी बड़ा फैसला है। इसके साथ ही मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी है। आम आदमी का सपना है अपने सिर पर अपना छत होना। इस बजट के जरिए लोगों को घर खरीदने में राहत का भी ऐलान किया गया है। इससे लोगों के साथ ही रियल एस्टेट को भी फायदा होगा। जिससे निर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

बिहार का पटना हवाई अड्डा इन दिनों बेहद व्यस्त है। लेकिन वह छोटा पड़ रहा है। इसके विकास और उसकी क्षमता बढ़ाने के लिए भी बजट प्रस्ताव किया गया है। इससे देश-विदेश में काम कर रहे बिहार के लोगों को सीधे फायदा होगा और उनकी अपनी माटी से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके साथ ही, बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, और उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव है। इस संस्थान के जरिए समूचे पूर्वी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को मजबूती देने की तैयारी है। इसके द्वारा किसानों के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने की तैयारी तो है ही, उनकी आय में बढ़ोत्तरी का भी प्रस्ताव है। निर्मला सीतारमण के अनुसार, इस संस्थान के जरिए युवाओं को हुनरमंद बनाने की तैयारी है। इसके साथ ही उन्हें उद्यमिता और रोजगार प्राप्त करने के अवसर पैदा करेगा। बिहार में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाएंगे। इसके जरिए पश्चिमी कोसी नहर परियोजना को भी आर्थिक सहायता मदद दी जा रही है। इसके जरिए उत्तरी बिहार के 50 हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सहूलियत बढ़ेगी। इससे मिथिलांचल की कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूं तो हर बजट सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक भी होता है। लेकिन आयकर छूट और बिहार को मिलने वाली विशेष सहायता योजनाओं के संदर्भ में यह राजनीतिक बजट भी है। हालांकि इन पंक्तियों को लिखे जाने तक किसी ने इस नजरिए से बजट पर सवाल नहीं उठाया है, लेकिन यह तय है कि इन प्रस्तावों से दिल्ली और बिहार के वोटरों को लुभाने की कोशिश की गई है।

कुल मिलाकर कह सकते हैं कि बजट के जरिए लोक को साधने के साथ ही आर्थिक स्थिति को भी बेहतर बनाने की कोशिश है। हालांकि लोगों को उम्मीद थी कि जीएसटी दरों में राहत मिलेगी, मध्य वर्ग को कर्ज मुक्ति मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लेकिन कह सकते हैं कि यह बजट कुछ संदर्भों में लोकलुभावन है तो कुछ अर्थों में नहीं। इन अर्थों में यह राजनीतिक भी है और राजनीतिक हित साधने का साधन भी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक विवेक धल्लम (गली नं. 1, वॉर्ड नं. 12, नजदीक एग्रो पेट्रोल पंप व तहसील, बाड़ी ब्राह्मणा, जम्मू व कश्मीर 181133) द्वारा शिवम् आफसेट प्रिंटिंग प्रेस, फव्वारा चौक (नजदीक जेएंडके बैंक) ग्रेटर कैलाश, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) से प्रकाशित।
संपादक
विवेक धल्लम
फोन- 9419180421, ईमेलः admin@jammunewsmission.com
नोटः इस अंक में प्रकाशित सामग्री से संपादक प्रकाशित का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जाएगा। सभी विवादों का निपटारा जम्मू संभाग की सीमा के अंतर्गत आने वाली सक्षम न्यायालयों व फोरमों में ही किया जाएगा।

युवा पीढ़ी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने में स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका है-सकीना इत्तू

स्कॉस्ट-जे में एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह को संबोधित किया

मंत्री जावेद डार ने युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाने वाले सभी संस्थानों को सरकार के समर्थन की पुष्टि की

जम्मू

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने बाबा जित्तो ऑडिटोरियम स्कॉस्ट में एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह को संबोधित किया। मंत्री, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं, ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकार के विशेष ध्यान की पुष्टि की और यह सुनिश्चित किया कि इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जीवंतता लाने के लिए काम करने वाले सभी संस्थानों को आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने युवा पीढ़ी के बीच नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने में स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और माता-पिता और शिक्षकों से इस खतरे को रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए सरकार को समन्वय प्रदान करने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर के बच्चों की प्रतिभा को स्वीकार करते हुए, सकीना ने उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रदर्शन और कार्यक्रम में प्रदर्शित प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने युवा दिमागों के भविष्य को आकार देने, उन्हें डॉक्टर, प्रशासक, इंजीनियर या सामाजिक कार्यकर्ता बनने के उनके सपनों को साकार करने में मदद करने में स्कूलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार एसजीएसडी जैसे स्कूलों को उनके मिशन में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मौजूद कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने भी कार्यक्रम में शामिल होने पर खुशी जताई। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के लिए एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल की सराहना की। उन्होंने स्कूल के मिशन और नामांकित बच्चों के समग्र विकास के प्रति इसके समर्पण को चलाने वाली किसी दैवीय शक्ति पर ध्यान दिया।

छात्रों को आधुनिक प्रगति के अनुरूप सीखने और अपने कौशल को उन्नत करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, मंत्री ने एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल को जिम्मेदार और सक्षम नागरिकों के पालन-पोषण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला एक मॉडल संस्थान बताया।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार ऐसे स्कूलों को आगे बढ़ने और अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक विकास के उनके मिशन को जारी रखने में मदद करने के लिए हर संभव सहायता देगी। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने विभिन्न राज्यों के बहु सांस्कृतिक और पारंपरिक लोक और स्थानीय नृत्य रूपों का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर शिक्षा और खेल में युवा उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह भी शामिल था। इस अवसर पर अन्य लोगों के अतिरिक्त पूर्व मंत्री अजय सडोत्रा, प्रधान अनिल पठानिया, प्रशासक मनजीत सिंह, चेयरमैन संत तेजवंत सिंह और ट्रस्टी बलदेव सिंह भी उपस्थित थे।

उपायुक्त डोडा ने गुजरात के शैक्षिक एक्सपोजर दौरे पर अधिकारियों के समूह को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

डोडा।

डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के एक समूह को जिला मेहसाणा, विष्वग्राम ट्रस्ट गुजरात की 15 दिवसीय शैक्षणिक प्रदर्शन यात्रा पर रवाना किया। इस यात्रा का उद्देश्य शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सीखने के मूल्यवान अवसर प्रदान करना है। यात्रा के दौरान, अधिकारी विष्वग्राम ट्रस्ट के विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्टिव सत्र और चर्चा में भाग लेंगे, उन्नत शिक्षण तकनीकों, बुनियादी ढांचे के विकास और छात्र-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोणों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। यह प्रदर्शन अधिकारियों को सफल शिक्षा मॉडल का अध्ययन करने और डोडा में उनके कार्यान्वयन का पता लगाने में सक्षम बनाएगा। उपायुक्त ने व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने और जिले के शैक्षिक परिदृश्य को बदलने में इस तरह के एक्सपोजर दौरों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को इस अवसर का उपयोग स्थानीय स्कूलों और संस्थानों में प्रगतिशील बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डीआईपीआर ने महाराज कृष्ण भट्ट को विदाई दी

जम्मू।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने आयोजित एक विदाई समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारी महाराज कृष्ण भट्ट, लेखाकार (वित्त विभाग) को विदाई दी।

समारोह में संयुक्त निदेशक सूचना जम्मू अतुल गुप्ता, उप निदेशक (पीआर) अंकुश हंस, उप निदेशक (मुख्यालय) वरिंदर गुप्ता, सूचना अधिकारी मोनिका संब्याल तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। महाराज कृष्ण भट्ट ने 1998 से विभिन्न सरकारी विभागों में सेवा की है और 31 जनवरी, 2025 को सूचना विभाग से सेवानिवृत्त हुए। अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त अधिकारी को बधाई दी और सेवानिवृत्ति के बाद उनके स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना की।

उपमुख्यमंत्री ने डिग्री कॉलेज नौशेरा में स्पोर्ट्स ब्लॉक की आधारशिला रखी

नौशेरा (राजौरी)

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने सरकारी डिग्री कॉलेज, नौशेरा में बहुप्रतीक्षित स्पोर्ट्स ब्लॉक की आधारशिला रखी। 208.50 लाख रु. की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और छात्रों और इच्छुक एथलीटों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है।

उपमुख्यमंत्री के साथ अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजौरी डॉ. राज कुमार थापा, अतिरिक्त उपायुक्त नौशेरा बाबू राम टंडन तथा अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी भी थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने युवाओं के बीच खेल और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नया खेल ब्लॉक आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा और छात्रों को विभिन्न खेल विषयों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, छात्रों और स्थानीय निवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में खेल सुविधाओं को मजबूत करने पर सरकार के फोकस का स्वागत किया। सुरिंदर चैधरी ने निष्पादन एजेंसियों से निर्माण के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए परियोजना को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र में मजबूत खेल बुनियादी ढांचे को विकसित करने, स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रशासन के संकल्प को दोहराया।

एडीडीसी राजौरी डॉ. राज कुमार थापा ने इस पहल की सराहना की और जमीनी स्तर पर प्रतिभा के पोषण में ऐसे बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह परियोजना क्षेत्र में छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

जम्मू न्यूज़ मिशन

उपराज्यपाल ने नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेटों के साथ बातचीत की

कर्तव्य पथ और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कैडेटों और एनसीसी अधिकारियों की सराहना की, अखिल भारतीय एनसीसी लड़कियों की टुकड़ी का नेतृत्व करके जम्मू-कश्मीर को गौरवान्वित करने के लिए एसयूओ एकता कुमारी को बधाई दी

मैं चाहता हूं कि युवा जम्मू-कश्मीर की परिवर्तनकारी यात्रा का नेतृत्व करें-एलजी सिन्हा

एनसीसी की भावना उन्हें शांति और प्रगति के मिशन को शक्ति देने और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी-एलजी सिन्हा

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख एनसीसी निदेशालय के कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर में अपने अनुभव साझा किए

जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने के बाद लौटे एनसीसी कैडेटों के साथ बातचीत की।

गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेटों ने अपने अनुभव साझा किये। उपराज्यपाल ने कर्तव्य पथ और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कैडेटों और एनसीसी अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने अखिल भारतीय एनसीसी लड़कियों की टुकड़ी का नेतृत्व करके जम्मू-कश्मीर को गौरवान्वित करने के लिए एसयूओ एकता कुमारी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में ऐतिहासिक भागीदारी, कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और प्रशंसा हासिल करने से देश के भावी नेताओं को तैयार करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका मजबूत हुई है।

उपराज्यपाल ने कहा एनसीसी कैडेटों ने हमेशा असाधारण कौशल, अनुशासन दिखाया है और समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। मुझे समाज के विकास और सुधार तथा नवीन समाधानों और निस्वार्थ सेवा के माध्यम से चुनौतियों का समाधान करने के लिए हमारे युवा कैडेटों के विचार और ऊर्जा की सराहना करनी चाहिए।''

उपराज्यपाल ने कहा, ''युवा भविष्य हैं, वे एक बेहतर दुनिया और जम्मू-कश्मीर के उवल कल के लिए हमारी आशा हैं। हमारी प्राचीन सभ्यता के आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाने और एक मजबूत जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का निर्माण करने की युवाओं पर बड़ी जिम्मेदारी है। एनसीसी की भावना उन्हें शांति और प्रगति के मिशन को शक्ति देने और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तनों के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। एनसीसी कैडेटों को युवाओं को राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में योगदान देने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना चाहिए।

उपराज्यपाल ने एनसीसी कैडेटों से पांच संकल्पों यानी जम्मू कश्मीर का तेजी से विकास, नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता, राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित सामाजिक इकाइयों का निर्माण, एनसीसी के आदर्शों और मूल्यों के माध्यम से रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने और देश की विकास यात्रा में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने पर काम करने को कहा।

उपराज्यपाल ने दल की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान के लिए कैडेटों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक, वीएसएम, मेजर जनरल ए. बेवली ने उन्हें एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। उपराज्यपाल ने एनसीसी की पहल को उनके निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

भारत की विविधता में एकता के प्रतीक एनसीसी कैडेटों के जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शन को उपराज्यपाल से विशेष सराहना मिली।

इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह में जम्मू कश्मीर और लद्दाख एनसीसी निदेशालय के कुल 127 कैडेटों ने भाग लिया था। 17 एनसीसी कैडेटों को कर्तव्य पथ पर मार्च करने के लिए और 05 कैडेटों को गार्ड ऑफ ऑनर के लिए चुना गया।

एसयूओ एकता कुमारी ने कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2025 के दौरान अखिल भारतीय एनसीसी लड़कियों की टुकड़ी का नेतृत्व किया, भारत के राष्ट्रपति और डीजी एनसीसी प्रशस्ति कार्ड से सराहना अर्जित की।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पहचानी जाने वाली जेयूओ आबिदा आफरीन को रक्षा मंत्री प्रशस्ति कार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें इस साल के अंत में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए भी चुना गया है, जो महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए एक रोल मॉडल और प्रेरणा के रूप में काम करेंगी। शिविर के दौरान उनके असाधारण योगदान के लिए एसयूओ एकता, कैडेट अलंकृता शर्मा, एएनओ डॉ. लेफ्टिनेंट नितिका कुंदन और सेकेंड ऑफिसर अशाक हुसैन को डीजी एनसीसी कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया गया।

आकस्मिक कमांडर कर्नल अमित भारद्वाज और नायब सूबेदार यशबीर सिंह को भी डीजी एनसीसी मेडलियन से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, दल के 8 कैडेटों को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित डीजी एनसीसी पदक से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख एनसीसी निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशिक्षक, स्कूल शिक्षा विभाग और राजभवन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने कठुआ औद्योगिक संपदा का दौरा किया, बुनियादी ढांचे को बढ़ाने का आश्वासन दिया

कठुआ

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने घट्टी और भागथली सहित औद्योगिक संपदा कठुआ का दौरा किया।

उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम भी थी, जिसमें आयुक्त सचिव उद्योग और वाणिज्य विक्रमजीत सिंह, एमडी जेपीडीसीएल मोहम्मद यासीन चैधरी, निदेशक उद्योग और वाणिज्य जम्मू अरुण मन्हास तथा प्रबंध निदेशक सिडको/एसआईसीओपी इंद्रजीत, उपायुक्त कठुआ राकेश मन्हास, एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना, एडीसी कठुआ रणजीत सिंह, जीएम डीआईसी सहित अन्य वरिश्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

दौरे के दौरान मुख्य सचिव ने देवयानी फूड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, एक आइसक्रीम विनिर्माण संयंत्र और घट्टी में वरुण बेवरेजेज़ लिमिटेड समेत विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने उद्योगों के अधिकारियों से बातचीत की और उनके सामने आने वाली सुविधाओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी ली।

अटल डुल्लू ने भागथली में कंधारी ग्लोबल बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड का भी दौरा किया। जहां अधिकारियों ने उन्हें संयंत्र और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी।

मीडिया को जानकारी देते हुए, मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर औद्योगिक नीति की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पॉलिसी रोजगार के अवसर पैदा करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के अलावा जेके यूटी में उद्योगों को आकर्षित करने के लिए भारत सरकार की ओर से 28,400 करोड़ रुपये के पैकेज का हिस्सा है।

मुख्य सचिव ने जोर देकर कहा कि सरकार उद्योगों को प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे और सिंगल-विंडो मंजूरी सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव ने औद्योगिक विकास में पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने उद्योगों को पर्यावरण कानूनों और मानदंडों का पालन करने और अपने संचालन में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उद्योगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी कि वे पर्यावरणीय नियमों का अनुपालन करें।

बाद में, मुख्य सचिव ने डीसी कार्यालय परिसर के सम्मेलन हॉल में घटी, कठुआ और भागथली औद्योगिक संपदा के उद्योगपतियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में क्षेत्र में उद्योगों की सुविधा के लिए प्राथमिकता के आधार पर उठाए जाने वाले मुद्दों को रेखांकित करने के अलावा इन संपदाओं में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने जम्मू पॉलिटेक्निक कॉलेज का दौरा किया, संकाय सदस्यों, छात्रों से बातचीत की

जम्मू।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज जम्मू का दौरा किया और संस्थान के कामकाज की समीक्षा की।

उनके साथ कॉलेज के वरिष्ठ संकाय सदस्य भी थे।

कॉलेज परिसर के अपने व्यापक दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न संकायों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को प्रदान की जा रही कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।

संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने युवाओं को विभिन्न कौशल प्रदान करने और उन्हें विभिन्न औद्योगिक व्यापारों में प्रशिक्षित करने का एक समग्र कार्यक्रम शुरू किया है।

सुरिंदर चैधरी ने कहा कि यह उन्हें तकनीकी रूप से कुशल बनाएगा, ताकि वे उद्यमशीलता कौशल सीख सकें और अपनी आय सृजन इकाइयां शुरू कर सकें।

उन्होंने कहा कि इससे वे नौकरी निर्माता बनेंगे और दूसरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान करने में अपना योगदान देंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कॉलेज प्रशासन को छात्रों को सभी अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें शिक्षण सुविधाओं और संबंधित सेवाओं में किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने सेरी में जनपहुंच कार्यक्रम आयोजित किया

सार्वजनिक शिकायतों को हल किया, त्वरित निवारण हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया

सेरी (राजौरी)

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने सेरी में एक जनपहुंच कार्यक्रम आयोजित किया, जहां स्थानीय निवासियों की एक बड़ी भीड़ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने विभिन्न विकासात्मक चिंताओं को उठाया और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

लोगों द्वारा उजागर किए गए प्रमुख मुद्दों में सरकारी कार्यालयों के लिए बहुमंजिला इमारत का निर्माण, स्कूलों का उन्नयन, और स्कूलों और सेरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शिक्षण और चिकित्सा कर्मचारियों की भारी कमी शामिल थी।

इसके अतिरिक्त, जनता ने तकनीकी कर्मचारियों की तैनाती, एक्स-रे मशीन और प्रयोगशाला सुविधाओं की स्थापना, डेंटल चेयर का प्रावधान और कलाल और सेल में नए पशु चिकित्सा केंद्रों की स्थापना की मांग की। अन्य गंभीर चिंताओं में ग्रिड स्टेशन के लिए लंबित प्रशासनिक स्वीकृति, बिजली के खंभों और तारों की मांग, नए ट्रांसफार्मर की स्थापना और विभिन्न पंचायतों में मौजूदा ट्रांसफार्मर का उन्नयन शामिल है। लोगों ने जल जीवन मिशन कार्यों में तेजी लाने, पंचायतों के विभाजन और चेक बांधों के निर्माण की भी मांग की।

प्राथमिकता के आधार पर आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान और समाधान के लिए निर्देश जारी किए गए।

जनता की शिकायतों पर ध्यान देते हुए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने प्रशासन को प्रमुख निर्देश जारी किए।

उन्होंने कमियों को दूर करने के लिए स्कूलों और स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों के युक्तिकरण का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर पंचायत तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत दिशानिर्देशों के अनुसार काम किया जाना चाहिए।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे केवल फील्ड स्टाफ के फीडबैक पर निर्भर न रहें, बल्कि व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक पंचायत का दौरा करें और जमीनी स्थिति का आकलन करें।

उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कमीशन संस्कृति समाप्त होनी चाहिए। आवश्यक जनसुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

कमजोर समूहों की पहचान करें, टीबी का शीघ्र पता लगाने के लिए नियमित परीक्षण करें–सकीना इत्तू

पूरे जम्मू-कश्मीर में 100-दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

टीबी मुक्त जिलों में पुनरावृत्ति को रोकने के लिए निरंतर परीक्षण, सक्रिय निगरानी का आह्वान

जम्मू

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने उपायुक्तों से अपने संबंधित जिलों में कमजोर समूहों की पहचान करने और टीबी का शीघ्र पता लगाने के लिए इन स्थानों पर नियमित परीक्षण करने को कहा।

मंत्री ने पूरे जम्मू-कश्मीर में 100-दिवसीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के कार्यान्वयन पर प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए।

बैठक में सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सभी जिलों के उपायुक्त, निदेशक वित्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ जम्मू, कश्मीर, निदेशक समन्वय नये मेडिकल कॉलेज, सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, सभी जिलों के सीएमओ और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान, मंत्री ने संबंधित उपायुक्तों और संबंधित सीएमओ को विशेष रूप से गोल्ड जोन जिलों में परीक्षण और शीघ्र पता लगाने की गतिविधियों को तेज करने के लिए कहा ताकि वे भी टीबी मुक्त जिलों का दर्जा हासिल कर सकें।

उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला प्रशासकों को स्क्रीनिंग की आवृत्ति बढ़ाने, आक्रामक जनपहुंच कार्यक्रम आयोजित करने और बीमारी के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पीआरआई को शामिल कर सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने का भी निर्देश दिया। मंत्री ने सभी जिलों में कमजोर समूहों की पहचान करने का भी आह्वान किया, चाहे वे टीबी मुक्त हों या नहीं। उन्होंने टीबी मुक्त घोषित जिलों में नियमित जांच का भी आह्वान किया ताकि वहां टीबी दोबारा न फैले। उन्होंने कहा कि पुनरावृश्रि को रोकने और उन्मूलन प्रयासों की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर परीक्षण और सक्रिय निगरानी आवश्यक है। मंत्री ने अधिकारियों, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं के दोनों निदेशकों से सतर्क रहने, नियमित जांच करने और किसी भी अज्ञात मामले का शीघ्र पता लगाने के लिए जोखिम वाली आबादी के साथ जुड़ने का आग्रह किया। 100 दिनों के टीबी उन्मूलन अभियान के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए सकीना इत्तू ने टीबी परीक्षण के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में घर-घर स्क्रीनिंग के लिए मोबाइल परीक्षण वैन तैनात करने का आह्वान किया। सकीना ने कहा, जमीनी स्तर पर डायग्नोस्टिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करें क्योंकि यह एक स्वस्थ समाज को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

HELP LINE

Important Telephone Nos.	
Civil Secretariat	2547365-69
Jammu University	2435259,2435248
RRL, Jammu	2544382, 2549051
Army	2432453, 2432653
Municipality Jn. Lines	2578503, 18001803333
Passport Office	2433359
Postal Services	
H.P.O. City	2543606
Gandhi Nagar	2435863
Fire Services	
City	2544263
Gandhi Nagar	2457705
Canal	2554064
Gangyal	2480026
Cooking Gas dealers	
Chenab Gas	2547633
Gulmour Gas	2430835
H.P. Gas	2578456
Jakfed	2548297
Shivangi Gas	2577020
Tawi Gas	2548455
Power House	
Gandhi Nagar	2430180
Canal Road	2554147
Janipur	2533359
Nanak Nagar	2430776
Parade	2542289
Satwari (Jammu Cantt.)	2452813
City Hospitals	
G.M.C Jammu	2584290, 91. 94, 2584211, 25
GMC Causality	2575364
S.M.G.S. Jmu	2547635, 258477
Govt. Hosp. G. Nagar	2430041,2431740
Dental Hospital Jmu	2544670
Psychiatric Disease Hos.	2577444
Ascoms Sidhra	262251, 262267, 262536, 39
B.N. Charitable	2555631, 2505310
Vivekanand Hospital	2547418
G.B. Pant Hosp. Satwari	2433500
Military Hospital Sat.	2435572
Police Station, Jammu City	
Bagh-e-Bahu	2459777

Bakshi Nagar	2580102
Bus Stand	2566499
City	2543688
Gandhi Nagar	2430528
Gangyal	2481204
Nowabad	2565274
Pacca Danga	2448610
Railway Station	2472870
Saink Colony	2468666
Satwari	2430364
Channi Himmat	2465164
Transport Nagar	2475444
Trikuta Nagar	475133, 2470679
G. Nagar	2459660
S.S.P. City	2547807
S.P. South	2433778
SSP TRAFFIC JAMMU	0191-2578774
Police Control Room	100
Airlines	
Air Port	2450520,21,2430449
Indian Airlines	2574312
Spice Jet	2431887
Go Air	2435668
Kingfisher	2432651
Jet Airways	2453999
Railways	
Railway Enquiry	131,132,2476407
Booking	2470318
Reservation	2470315
Telecom Department	
Directory Enquiry	197
Fault Repair	180
Billing Complaint	2543896
Trikuta Nagar Exchange	2470000
Raj Bhawan Jammu	
H.E THE GOVERNOR, J&K	2560225
PVT. SECY. TO H.E.G 2544939/2560225/2452201	
CHIEF MINISTER'S SECRETARIAT JAMMU	
CM	2546766/2560203
PRINCIPAL SECY. TO C.M	2544017/2542159
ADVISOR TO C.M	2560239
PVT. SECY. TO C.M	2546466/2540421

CREMATION-SMITI SERVICES JAMMU	
SEWA-SAMITI (HEAD OFFICE) 2573905	
COURIER SERVICE	
BLUE DART	2432806
DHL	94191-90329
AHL	94191-90329
LINKER COURIER	94191-88398
JUST CALL INFO	2476060
NATIONAL HELP DESK CALL	094192-22222
FAROOQ JI (SECRETARY TO ADGP)	9149598407
CHIEF ENGINEER PWD JAMMU	0191-2471788
CHIEF ENGINEER PHE JAMMU	0191-2547586, 2544356
CHIEF ENGINEER PDD JAMMU	0191-2545061
DC OFFICE JAMMU	0191-2544366
RAILWAY ENQUIRY	1800111321
AIRPORT ENQUIRY JAMMU	0191-2437843
ISBT ENQUIRY JAMMU	0191-2435262
RTO JAMMU	0191-2472490
SHARAT CHANDER KHAJURIA AN INTERNATIONAL ACADEMIC SCHOLAR	9419127999
PROF. (DR.) KESHAV SHARMA VICE-CHANCELLOR THE ICFAI UNIVERSITY HIMACHAL PRADESH	9469211211
SANJAY GANDOTRA DEFENCE BUSINESS CONSULTANT	6006619429
ANIL KAPAHI BUSINESS TYCOON AND SECRETARY AMAR SINGH CLUB	9419199999
KULDEEP KAUL INTERNATIONAL BUSINESS TYCOON	9811156926
BHUPINDER SINGH (IAS) COMMISSIONER HEALTH SERVICES	94190112477
BRIJ MOHAN SHARMA CHIEF CONSERVATOR FOREST UDHAMPUR	9419144300
S. OPINDERJEET SINGH (KAS) FINANCE DIRECTOR PDD	9419019026
DR. ASHOK VAID (ONCOLOGIST) DIRECTOR MADANTA HOSPITAL	9810212235
DR. KULBUSHAN GUPTA HOD RADIOLOGY	9419190360
GROUP CAPT. KULOWANT SINGH	7889794904
COL PRITHVIRAJ	9419281250
DR. RAJESH SINGH (VET DOCTOR, CAMEL EXPERT, WORKING WITH SHEIKHS) DUBAI	+971567237345
COL. BRIJ BHUSHAN SINGH	8130702061

उपमुख्यमंत्री ने कठुआ का व्यापक दौरा किया

निष्पक्ष औद्योगिक विस्तार, पर्यावरण संरक्षण का आश्वासन दिया

कठुआ

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने कठुआ का दौरा किया और बरवाल में सिडको के तहत औद्योगिक विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित चिंताओं का आकलन करने के लिए स्थानीय निवासियों, हितधारकों और अधिकारियों के साथ बातचीत की। उपमुख्यमंत्री ने संतुलित और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थानीय आबादी, पर्यावरण और औद्योगिक विकास के हितों में सामंजस्य हो। प्रभावित निवासियों और उद्योग प्रतिनिधियों से बात करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने में सतर्क और समावेशी दृष्टिकोण अपना रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसी परियोजनाओं का लाभ सभी हितधारकों, विशेष रूप से स्थानीय समुदायों तक पहुंचे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि औद्योगीकरण आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन पर्यावरणीय स्थिरता और जन कल्याण को ध्यान में रखते हुए इसे जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा सरकार भूमि अधिग्रहण के संबंध में लोगों की चिंताओं और उनकी आजीविका पर इसके प्रभाव से पूरी तरह अवगत है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इन विकास परियोजनाओं से कोई भी व्यक्ति अनुचित रूप से प्रभावित न हो। औद्योगिक विस्तार को पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ चलना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भूमि अधिग्रहण से प्रभावित लोगों को पर्याप्त मुआवजा और पुनर्वास उपाय मिले।''

अपने दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने हाल ही में बरवाल क्षेत्र में 250 से अधिक पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई के मुद्दे को भी हल किया, जो सिडको के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में हुई थी।

घटना पर सार्वजनिक आक्रोश को स्वीकार करते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि यह निर्धारित करने के लिए एक विस्तृत जांच की जाएगी कि पेड़ काटने के लिए आवश्यक मंजूरी किसने दी और क्या उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था।

उन्होंने कहा जम्मू और कश्मीर का पारिस्थितिक संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम औद्योगीकरण के नाम पर पर्यावरण संबंधी चिंताओं से समझौता नहीं कर सकते। मैंने अधिकारियों को बरवाल में पेड़ काटने की घटना की व्यापक जांच शुरू करने का निर्देश दिया है, और पर्यावरण मानदंडों के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि पर्यावरणीय क्षति को कम किया जाए, वनीकरण कार्यक्रम और हरित औद्योगिक प्रथाओं जैसे वैकल्पिक उपायों की खोज कर रही है।

औद्योगिक विकास संबंधी चिंताओं के अलावा, उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खनन और औद्योगिक माफियाओं द्वारा उत्पन्न बढ़ती चुनौतियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को कमजोर कर रहे हैं और चेतावनी दी कि सरकार ऐसी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति या समूह के खिलाफ सख्त और निर्णायक कार्रवाई करेगी। उन्होंने जनता से अवैध व्यापार और संगठित अपराध से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करके कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ सहयोग करने की भी अपील की।

जम्मू-कश्मीर के लिए व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि औद्योगिक विकास आवश्यक है, लेकिन कृषि और पर्यटन में क्षेत्र की पारंपरिक ताकत की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी आजीविका के लिए कृषि और पर्यटन पर निर्भर करता है और सरकार नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और वित्तीय सहायता के माध्यम से इन क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा जम्मू और कश्मीर उपजाऊ भूमि, समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और अपार पर्यटन संभावनाओं से समृद्ध है। हमारा ध्यान इन क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास पर रहता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसानों और पर्यटन हितधारकों को समर्थन, सब्सिडी और बुनियादी ढांचा प्राप्त हो जो उन्हें फलने-फूलने के लिए मदद करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने जनता को आश्वासन दिया कि सरकार स्थानीय आकांक्षाओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं से समझौता किए बिना सतत औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रोडमैप पर काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों, विरासत और सामाजिक-आर्थिक संरचना पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए प्रत्येक विकास परियोजना की गहन जांच की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम एक समग्र विकास मॉडल में विश्वास करते हैं जो आर्थिक प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देता है। प्रत्येक नीतिगत निर्णय एक समृद्ध और समावेशी जम्मू-कश्मीर बनाने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ लिया जा रहा है।, इस अवसर पर जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया, पूर्व सांसद लाल सिंह, डीडीसी सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

उपायुक्त रियासी ने राजस्व विभाग के कामकाज की समीक्षा की

अतिक्रमण हटाने, सख्त प्रवर्तन उपाय करने का आह्वान

रियासी

उपायुक्त निधि मलिक ने जमाबंदी, राज्य भूमि से अतिक्रमण हटाने, राजस्व अदालत के मामलों की स्थिति, समिलता योजनाओं, जन सुगम पोर्टल पर ऑनलाइन सेवाओं एवं भूमि अधिग्रहण मामलों सहित भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण का आकलन करने के लिए राजस्व विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राजस्व प्रशासन में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

तहसीलदारों को एक सप्ताह के भीतर डिजिटल जमाबंदियों का सत्यापन पूरा करने और दोहरे सत्यापन से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए कहा गया। राज्य की भूमि की सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने राजस्व अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई नया अतिक्रमण न हो और लंबित राजस्व अदालत के मामलों के समाधान में तेजी लाई जाए।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने जमीनी स्तर पर निगरानी और शासन को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से स्कूलों में क्षेत्रीय दौरे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उपायुक्त ने निर्माण नियमों का पालन करने के महत्व को रेखांकित किया, अधिकारियों से नागरिकों को उचित अनुमति प्राप्त करने और अवैध संरचनाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

उन्होंने पारदर्शी और प्रभावी राजस्व प्रबंधन के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई, ऑनलाइन सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और समग्र सेवा वितरण में सुधार के लिए सक्रिय उपायों का आह्वान किया। बैठक में एसीआर अंशुमाली शर्मा, एसडीएम पीयूष धोत्रा, एसडीएम मजाहिर हुसैन और तहसीलदार उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने अतिरिक्त सचिव जतिन किशोर और चिकित्सक विजय सागर को विदाई दी

जम्मू।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में अतिरिक्त सचिव जतिन किशोर और चिकित्सक विजय सागर को विदाई दी। समारोह में राजभवन के अधिकारी भी उपस्थित थे। उपराज्यपाल ने जतिन किशोर और विजय सागर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनके पेशेवर आचरण और ईमानदारी से समर्पण हेतु उनकी सराहना की जिसके साथ उन्होंने राजभवन में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उपराज्यपाल ने जतिन किशोर को गांदरबल का उपायुक्त नियुक्त किया। डॉ. विजय सागर 31 जनवरी को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने उनके अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और भविष्य में सफलता की कामना की।

जम्मू न्यूज़ मिशन

उपायुक्त पुंछ ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा, सामुदायिक कल्याण उपायों की समीक्षा की

4 पात्र लाभार्थियों के पक्ष में पीएमएमएसवाई लाभों को मंजूरी दी गई

पुंछ

उपायुक्त पुंछ विकास कुंडल ने उपायुक्त कार्यालय परिसर में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें सीमा सुरक्षा और नियंत्रण रेखा के पास सामुदायिक कल्याण में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को हल किया गया और बंकर निर्माण सहित आवश्यक उपायों की प्रगति की समीक्षा की गई। सेना के अधिकारियों के अपडेट ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उपायुक्त ने पुलिस और बीएसएफ सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अंतर-एजेंसी सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य सामाजिक मुद्दों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने विष्वसनीय पानी और बिजली आपूर्ति का भी आह्वान किया और विभागों को सीमावर्ती क्षेत्रों में पशु चिकित्सा, चिकित्सा शिविर और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके अलावा, उपायुक्त ने सीमा सड़क संगठन को पुंछ शहर के लिए एक नए वैकल्पिक पुल की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए कहा। बैठक में एडीसी, अतिरिक्त एसपी, एसीआर, सीपीओ, एसीडी, सीएमओ, तहसीलदार और भारतीय सेना, बीएसएफ, पुलिस और खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बीच, उपायुक्त ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना पर जिला स्तरीय समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की जो स्थानीय मछुआरों को आवश्यक सहायता और संसाधन प्रदान करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख योजना है।

आरंभ में मत्स्य विकास अधिकारी ने पीएमएमएसवाई के तहत पंजीकृत मामलों का विस्तृत विवरण विचारार्थ प्रस्तुत किया।

गहन चर्चा के बाद, उपायुक्त ने पात्र लाभार्थियों के चार आवेदनों को मंजूरी दे दी, जो स्थानीय मत्स्य पालन विकास और स्थिरता प्रयासों की दिशा में सकारात्मक प्रगति को दर्शाता है।

बैठक में पीओ आईसीडीएस, एसीडी, सीएओ, एचओडी जूलॉजी जीडीसी पुंछ, मत्स्य विकास अधिकारी, एडी मत्स्य पालन के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जतिन किशोर ने उपायुक्त गांदरबल का पदभार संभाला

गांदरबल

गांदरबल के उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में आयोजित एक औपचारिक हैंडओवर समारोह में, जतिन किशोर ने श्यामबीर के स्थान पर गांदरबल के उपायुक्त के रूप में कार्यभार संभाला।

जतिन किशोर, जो पहले उपराज्यपाल सचिवालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत थे और सूचना निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे, ने जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यभार संभाला। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त गांदरबल गुलजार अहमद, जीएम डीआईसी बिलाल मुख्तार और मुख्य योजना अधिकारी शाहनवाज अहमद खान उपस्थित थे। उपस्थित अधिकारियों द्वारा उपायुक्त का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

2025 : सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष

जेके ने सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है-जावेद डार

परिचालन दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 537 पीएसीएस को कम्प्यूटरीकृत किया गया

जम्मू

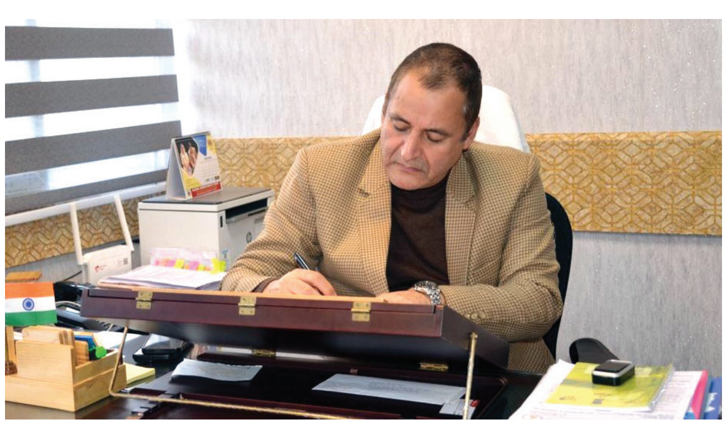

संयुक्त राष्ट्र संगठन ने 'सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है' थीम के तहत 2025 को सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है, सहकारिता, कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा जम्मू-कश्मीर ने किसानों और ग्रामीण समुदायों के कल्याण और प्रगति के लिए सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर सहकारी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और जम्मू-कश्मीर भी इस क्षेत्र को बढ़ावा देने पर उत्सुकता से ध्यान केंद्रित कर रहा है और यूएनओ द्वारा तय की गई थीम के तहत सभी गंभीर प्रयास किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि 1746.27 लाख रुपये की लागत से 537 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों का कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा, जिससे जम्मू-कश्मीर में सहकारी क्षेत्र को काफी मजबूती मिलेगी। पैक्स के डिजिटलीकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि इससे परिचालन दक्षता बढ़ी है, पारदर्शिता में सुधार हुआ है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है, जिससे किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित हुआ है।

केंद्रीय मंत्रालय के तहत, पूरे क्षेत्र में सहकारी संस्थानों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए यूटी स्तरीय समग्र कृषि विकास कार्यक्रम सहित परिवर्तनकारी पहलों की एक श्रृंखला लागू की गई है। लोगों तक स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार करते हुए, पीएसीएस के माध्यम से 46 प्रधान मंत्री जन औषधि केंद्रों की स्थापना की गई है, जिससे सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हो रही हैं और ग्रामीण आबादी के लिए स्वास्थ्य देखभाल लागत कम हो गई है।

मंत्री ने कहा कि 144 प्रधान मंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के लॉन्च के साथ सहकारी नेटवर्क को और मजबूत किया गया है, जो वन-स्टॉप कृषि सेवा केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

मंत्री ने कहा, ये केंद्र कृषि उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ावा देने और आवश्यक संसाधनों और ज्ञान के साथ किसानों को सशक्त बनाने के लिए किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक और विशेषज्ञ सलाहकार सेवाएं प्रदान करते हैं।

डिजिटल समावेशन की दिशा में एक बड़े कदम में, ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन को पाटते हुए, पैक्स के माध्यम से 480 सामान्य सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं। मंत्री ने कहा, ये केंद्र ऑनलाइन सरकारी सेवाओं, ई-गवर्नेंस प्लेटफार्मों, बैंकिंग और वित्तीय सहायता तक पहुंच प्रदान करते हैं, जिससे ग्रामीण आबादी को निर्बाध सेवा वितरण सुनिश्चित होता है।

इसके अतिरिक्त, किसानों के लिए बाजार पहुंच और सौदेबाजी की शक्ति बढ़ाने के लिए 61 पैक्स को किसान उत्पादक संगठनों में बदल दिया गया है।

मंत्री ने कहा कि भंडारण क्षमता बढ़ाने, फसल के बाद के नुकसान को कम करने और खाद्य सुरक्षा में सुधार के अलावा राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पोर्टल पर सहकारी समिति के रिकॉर्ड के व्यापक अद्यतनीकरण, अधिक पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए गोदाम निर्माण के लिए छह पैक्स की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के साथ-साथ निष्क्रिय सहकारी समितियों के पुनरुद्धार के लिए भी सफल प्रयास किये जा रहे हैं। लगभग छह सहकारी सुपर बाज़ारों को उन्नत किया गया है और सात और के निर्माण की योजना है। इसके अलावा, ब्लॉक मुख्यालयों पर तेरह सहकारी मिनी-सुपर बाज़ार भी विकसित किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पांच सहकारी स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं और विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में सुधार किया गया है।

मुख्य सचिव ने एफसीएसएंडसीए और मेट्रोलॉजी विभागों के कामकाज की समीक्षा की

हर परिस्थिति में उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश

जम्मू

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग और कानूनी मेट्रोलॉजी विभाग के कामकाज की समीक्षा हेतु नागरिक सचिवालय, जम्मू में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में आयुक्त सचिव एफसीएस एंड सीए जुबैर अहमद, नियंत्रक लीगल मेट्रोलॉजी विभाग जेएंडके अनुराधा गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने दोनों विभागों के प्रयासों की सराहना करते हुए अवैध वितरण इकाइयों के संचालन को रोकने के लिए कड़ी निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में उपभोक्ता संरक्षण उपायों को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक डेटाबेस के निर्माण और अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का भी निर्देश दिया।

उन्होंने इस अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण करने वाले सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करने पर जोर दिया। उन्होंने हर हाल में उपभोक्ता हितों की रक्षा करने के निर्देश दिए ताकि उन्हें उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अटल डुल्लू ने अपनी सेवाओं को जनता के लिए अधिक सुलभ और आसानी से उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने एफसीएस एवं सीए विभाग को दूर-दराज के इलाकों में रहने वाली जनता को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सर्दियों के महीनों के दौरान राशन वितरण और उपलब्धता पर ध्यान दिया और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इन गांवों में प्रत्येक राशन कार्ड धारक को उसकी पात्रता के अनुसार राशन मिले।

आयुक्त सचिव, एफसीएस एंड सीए, जुबैर अहमद ने मुख्य सचिव को विभाग की प्रमुख गतिविधियों से अवगत कराया, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वर्तमान कवरेज, चल रहे सुधार और सिस्टम की विष्वसनीयता बढ़ाने के प्रयास शामिल हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्रों जैसे आवश्यक वस्तुओं की शीतकालीन स्टॉकिंग, खरीफ विपणन सीजन के दौरान धान की खरीद और अन्य भौतिक और वित्तीय उपलब्धियों पर अपडेट प्रदान किया।

नियंत्रक, लीगल मेट्रोलॉजी विभाग, जम्मू-कश्मीर, अनुराधा गुप्ता ने बैठक को विभाग के उद्देश्यों और संचालन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग की सभी सेवाएँ अब जम्मू-कश्मीर सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं और जम्मू-कश्मीर लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत कवर की गई हैं। विशेष रूप से, विभाग ने अपने पोर्टल पर शुल्क मूल्यांकन के लिए एक ऑटो-गणना सुविधा शुरू की है। लाइसेंस के लिए ऑटो-नवीनीकरण सुविधा के साथ, सिस्टम को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है।

उपभोक्ता जनपहुंच प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, नियंत्रक ने कहा कि विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दूर-दराज के क्षेत्रों में 269 सेवा शिविर आयोजित किए हैं। 11 दिनों के औसत प्रसंस्करण समय के साथ, एलएमडी प्राप्त और निपटाए गए ऑनलाइन आवेदनों की संख्या में तीसरे स्थान पर है। सेवा वितरण के अलावा, विभाग शिविरों और सोशल मीडिया पहलों के माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।

उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए विभाग नियमित रूप से विशेष प्रवर्तन अभियान चलाता है। हाल ही में, इसने कश्मीर घाटी में गैर-मानक हेलमेट और अनधिकृत पेट्रोल पंपों के खिलाफ अभियान चलाया।

जिला मजिस्ट्रेट जम्मू ने जिले भर में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन ऑडिट का निर्देश दिया

जम्मू

जिला मजिस्ट्रेट जम्मू सचिन कुमार वैश्य ने जिले में सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं से उनकी वर्तमान अपशिष्ट निपटान प्रथाओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रोटोकॉल के अनुपालन में कमी भी शामिल है। जिले भर में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के लक्ष्य के साथ बायो मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और हैंडलिंग नियमों के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक के दौरान यह निर्देश जारी किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरबख्श सिंह को सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, निपटान और प्रसंस्करण सुविधाओं की परिचालन स्थिति सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। पूरी कवायद अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त शेर सिंह की देखरेख में होनी है।

इसके अलावा, जिला मजिस्ट्रेट ने सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और निपटान नियमों के सख्त अनुपालन की अनिवार्यता के बारे में पूरी तरह से सूचित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। सुविधाओं को उचित सॉफ्टवेयर समाधानों का उपयोग करते हुए अपशिष्ट प्रसंस्करण और स्थानांतरण के लिए मजबूत ट्रैकिंग और रिकॉर्डिंग तंत्र लागू करने का भी निर्देश दिया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा, यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि अपशिष्ट निपटान निर्धारित मानदंडों के अनुरूप हो, जिससे हमारे जिले के नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता की रक्षा हो सके।

बैठक में कार्यकारी अभियंता पीएचई राजेश शर्मा, मंडल अधिकारी एसपीसीबी, स्वास्थ्य अधिकारी जेएमसी डॉ. विनोद शर्मा, एचओडी मेडिसिन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू डॉ. विजय कुंडल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. समीना नजीर, नोडल अधिकारी बायो मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन डॉ. ज्योति भाऊ और अन्य संबंधित अधिकारियों की भागीदारी देखी गई।

उपायुक्त ने जिला पशु अस्पताल सांबा में पशु चिकित्सक देखभाल सुविधाओं का जायजा लिया

सांबा

पशु कल्याण और सार्वजनिक सेवा वितरण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता के प्रदर्शन में, उपायुक्त सांबा राजेश शर्मा ने पशुधन के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए तत्काल उपायों को लागू करते हुए, आज जिला पशु अस्पताल का अघोषित निरीक्षण किया।

दौरे में परिचालन दक्षता, कर्मचारियों के प्रदर्शन और बुनियादी ढांचे की स्थिति का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप जिले में कृषक समुदाय को सेवाओं के वितरण में सुधार के लिए कई निर्देशात्मक कार्रवाई की गई।

उपायुक्त ने अस्पताल संचालन और कर्मचारियों के प्रदर्शन, रक्त परीक्षण मशीनों और नसबंदी सुविधाओं सहित महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के मूल्यांकन, बुनियादी ढांचे के मूल्यांकन, दूरदराज के घरों तक पहुंचने के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने की व्यापक समीक्षा की।

उपायुक्त ने परिचालन चुनौतियों को समझने के लिए अस्पताल के कर्मचारियों के साथ सीधे बातचीत की और उन्हें सुविधाओं और सेवाओं के उन्नयन में प्रशासन के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उच्च पेशेवर मानकों को बनाए रखने और जिले भर में पशुधन मालिकों को सक्रिय सेवा वितरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

यह निरीक्षण सांबा जिले में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रशासन की व्यापक पहल को दर्शाता है, जिसमें पशु चिकित्सा सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है जो सीधे कृषि क्षेत्र की उत्पादकता और ग्रामीण आजीविका को प्रभावित करता है।

आज का राशिफल

मेष

मेष राशिः मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ, फलदायक एवं उपलब्धिप्रद बन रहा है। फरवरी महीने का पहला सप्ताह आपके लिए बड़े बदलाव का कारक भी बन सकता है। सौभाग्य का पूरा साथ मिलने के कारण आपको इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आपके सभी प्रयास और मेहनत का सकारात्मक नतीजा निकलेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में कोई बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरा होने से घर-परिवार में हर्ष का माहौल रहेगा। इस पूरे सप्ताह आपका उत्साह एवं पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा। लंबे समय से अटके कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सीनियर अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। सप्ताह के मध्य में रोजी-रोजगार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा संभव है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। वित्तीय दृष्टि से यह पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल फलप्रद रहने वाला है। व्यवसाय में अपेक्षित लाभ होगा। रिश्ते-नातों में मधुरता बनी रहेगी। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। परिवार के सदस्य के साथ किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के अवसर मिलेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

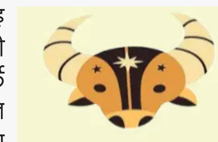
वृषभ

वृष राशिः वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रह सकता है। इस सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह अपने काम को बड़ी सावधानी के साथ करने की आवश्यकता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहें और किसी के साथ उलझने की बजाय अपने लक्ष्य पर फोकस करना उचित रहेगा। इस सप्ताह स्वजनों और सीनियर से मनचाहा सपोर्ट न मिलने के कारण आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। सप्ताह का पूवार्ध न सिर्फ रोजी-रोजगार बल्कि कारोबार की दृष्टि से निराशाजनक साबित हो सकता है। इस दौरान कारोबार में मनचाहा लाभ न होने और धन के किसी योजना अथवा मार्केट में फंस जाने से मन परेशान और हताश रहेगा। इस सप्ताह आपको रिश्ते-नाते और सेहत को बेहतर बनाए रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्क तों के चलते शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिल सकता है। इस दौरान परिवार के किसी आत्मीय सदस्य का रूखा व्यवहार आपको दुखी कर सकता है। प्रेम-प्रसंग में गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। संतान पक्ष से जुड़ी कोई समस्या आपकी चिंता का बड़ कारण बन सकती है।

मिथुन

मिथुन राशिः मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। सप्ताह की शुरुआत में आपको जीवन से जुड़ी कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। इस दौरान आपके सोचे हुए कार्यों में अनेकों प्रकार की बाधाएं आ सकती हैं। आत्मीय लोगों से अपेक्षित मदद न मिल पाने के कारण मन खिन्न रहेगा। ऐसे में आपको इस सप्ताह कुछेक अनचाही स्थिति से भी गुजरना पड़ सकता है। आपके भीतर कार्यों को टालने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। आगे बढ़कर कार्य करने की प्रवृत्ति में भी कमी देखी जा सकती है। मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने भीतर नकारात्मक विचार लाने से बचते हुए कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह की शुरुआत से कारोबार में बनी हुई मंदी आपकी चिंता कारण बनेगी। मार्केट में अपनी साख को बनाए रखने के लिए भी आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। नौकरीपेशा पर काम का अधिक दबाव बना रहेगा, जिसके कारण आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव करने का मन बना सकते हैं। हालांकि आवेश में आकर ऐसा कदम न उठाएं और कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। प्रेम संबंध में किसी बात को लेकर लव पार्टनर के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है।

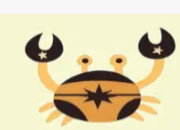
कर्क

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ी आपाधापी भरा रहने वाला है। इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में सफलता और उसे समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करना होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको रोजी-रोजगार में अचानक से आई कुछे दिक्क तों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों पर काम का अधिक दबाव बना रहेगा। बीते कुछ समय से चली आ रही समस्याएं इस सप्ताह आपकी चिंता का कारण बनी रहेंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में कामकाज से जुड़ी परेशानियों के बीच खराब सेहत भी आपके कष्ट का कारण बनेगी। इस दौरान मौसमी बीमारी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने से शारीरिक कष्ट बना रहेगा। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में जहां आपको व्यवसाय में लाभ होगा तो वहीं सप्ताह के मध्य में अचानक से आया कोई बड़ा खर्च आपके बने-बनाए बजट को बिगाड़ देगा। व्यापार में मनचाहा लाभ प्राप्त करने के लिए आपको योजनबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता बनी रहेगी। प्रेम संबंध में झूठे वादे न करें और रिश्तों की मर्यादा बनाए रखें। जीवनसाथी की भावनाओं की कद्र करें।

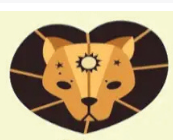
सिंह

सिंह राशिः सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आप अपने कामकाज में अनकूलता पाएंगे। घर और बाहर दोनों जगह आपको लोगों से भरपूर स्नेह, सहयोग और समर्थन मिलेगा। बीते कुछ समय से जो आपके भीतर आलस्य अथवा शारीरिक थकान बनी हुई थी वो इस सप्ताह दूर होगी। सभी कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होने पर आपके भीतर सकारात्मक सोच बढ़ेगी। आपके भीतर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति बनी रहेगी। सप्ताह के मध्य में नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में नेतृत्व करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि इस दौरान आपको अपने गुप्त शत्रुओं से भी सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध में कामकाज संबंध अधिक सुगमता बनी रहेगी। इस दौरान आप पर सीनियर और जूनियर दोनों मेहरबान रहेंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए भी यह समय सुखद एवं लाभप्रद रहने वाला है। इस दौरान आप अपने कारोबार को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। लाभ में वृद्धि होगी। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ है। सिंगल लोगों की लाइफ में मनचाहे व्यक्ति की इंट्री हो सकती है। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

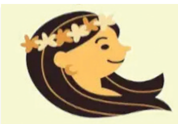
कन्या

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सभी अधूरे कार्यों को पूरा करने तथा मनचाहा लाभ दिलाने वाला साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। इस हफ्ते नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप पर सीनियर की पूरी कृपा बरसेगी और उनके साथ आपके संबंध बेहतर बने रहेंगे। सौभाग्य भाग्य का अपेक्षित सहयोग प्राप्त होने से आपके कार्यों में आ रही अड़चनें स्वतः दूर होती हुई नजर आएंगी। आपके गुणों में वृद्धि होगी तथा उसके बल पर मनचाही सफलता और लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आप अपने प्रयास और परिश्रम से कंपटीटर्स को काफी पीछे छोड़ने में कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह कन्या राशि के जातकों को कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में बड़ी राहत मिल सकती है। कोर्ट का फैसला आपके हक में आ सकता है अथवा विरोधी आपसे समझौते की पेशकश कर सकते हैं। इस सप्ताह आपको अपनी सेहत दुरुस्त रखने के लिए खान-पान और अपनी दिनचर्या पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता रहेगी। आपके स्वजनों के साथ रिश्ते मधुर बने रहेंगे। प्रेम संबंध में आप लव पार्टनर के साथ निकटता का अनुभव करेंगे।

तुला

तुला राशिः तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह पूरी तरह से शुभता और सफलता लिए हुए है। इस सप्ताह आपको अपने कार्य में मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। इस दौरान आपको घर और बाहर दोनों जगह स्वजनों और शुभचिंतकों का सहयोग और समर्थन मिलता हुआ नजर आएगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए सप्ताह के मध्य का समय अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस दौरान आपकी मेहनत रंग लाएगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर से शाबासी मिलने पर मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में मनचाहा लाभ होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में व्यवसाय से जुड़ी कोई बड़ी डील करने पर आपकी मार्केट में साख बढ़ेगी। पूर्व में किसी योजना में किया निवेश बड़े लाभ का कारण बनेगा। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। प्रेम संबंध में परस्पर प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। परिवार संग पर्यटन अथवा पिकनिक मनाने का अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि के जातकों को इस सप्ताह सावधानी हटी दुर्घटना घटी का स्लोगन हर समय याद रखना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने कामकाज में अथवा वाहन चलाते समय लापरवाही बरतते हैं तो आपको बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वृश्चिक राशि के जातकों को इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए अन्यथा बाद में उन्हें पछतावा करना पड़ सकता है। यदि आप विदेश में करियर-कारोबार के लिए प्रयासरत हैं तो आपको उससे जुड़ी मनचाही सफलता पाने के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ दिलाने वाले अवसरों में कमी देखने को मिल सकती है। बाजार में फंसे धन को निकालने में भी कठिनाई का अनुभव होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके कारण आपका बना बनाया बजट गड़बड़ा सकता है। इस दौरान आपको संतान से जुड़ी कोई चिंता सताएगी। प्रेम संबंध में इस सप्ताह खूब संभल कर कदम आगे बढ़ाएं और उसका बेवजह दिखावा न करें अन्यथा बदनामी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ अनावश्यक वाद-विवाद से बचें अन्यथा आपके घर की शांति भंग हो सकती है।

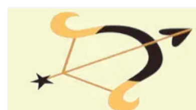
धनु

धनु राशिः धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को साथ लिए हुए है। इस सप्ताह आपके द्वारा करियर-कारोबार अथवा किसी कार्य विशेष के लिए किया गया प्रयास सफल साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत से आपको कारोबार में खासा लाभ मिलता हुआ नजर आएगा। वित्तीय दृष्टि से पूरा सप्ताह ही आपके लिए अनुकूल फलप्रद रहना चाहिए। इस सप्ताह आपकी लंबे समय से चली आ रही आर्थिक समस्याओं का समाधान निकल आएगा। पूर्व में लिए गये लोन या उधार को लौटाने में आप कामयाब होंगे। भूमि-भवन आदि से संबंधित विवाद दूर होंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आफिस में सहकर्मियों से अच्छा तालमेल बना रहेगा। जिसकी बदौलत आप अपना बेस्ट देने में कामयाब होंगे। बेहतर प्रदर्शन के चलते आपको सीनियर से प्रशंसा एवं पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। बेरोजगार लोगों को मनचाहे रोजगार की प्राप्ति संभव है। इस सप्ताह धनु राशि के जातकों को मौसमी बीमारियों के प्रति खूब सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। रिश्ते-नाते की दृष्टि से पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल है।

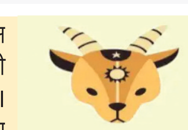
मकर

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी किस्मत के सितारे चमकते हुए नजर आएंगे। आप जिस क्षेत्र में भी प्रयास और परिश्रम करेंगे आपको उस क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। करियर-कारोबार की दृष्टि से इस पूरे सप्ताह आपको अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप बेरोजगार चल रहे थे तो आपको इस सप्ताह कोई अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है। वहीं पहले से कार्यरत लोगों का कार्यक्षेत्र में कद एवं पद बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में सीनियर आप पर पूरी तरह से मेहरबान होते नजर आएंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों को सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। उनके लिए नवीन मार्ग प्रशस्त होगा। पढ़ाई में उनका मन खूब रमेगा। जिसके कारण परीक्षा में उनका प्रदर्शन बेहतर रहेगा। व्यवसायी वर्ग के लिए भी यह सप्ताह अत्यंत शुभ रहने वाला है। कारोबार में तेजी से प्रगति एवं लाभ होता नजर आएगा। बाजार में आपकी साख बढ़ेगी। सत्ता-सरकार से निकटता का आप लाभ उठाने में कामयाब हो जाएंगे। कुल मिलाकर इस सप्ताह मिलने वाले लाभ और प्रगति से आप संतुष्ट नजर आएंगे। प्रेम संबंध में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर से सरप्राइज गिफ्ट मिलने पर मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ

कुंभ राशिः कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभता और लाभ लिए हुए है। इस सप्ताह आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। घर और बाहर दोनों जगह आपके शुभचिंतक आप पर मेहरबान रहेंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध में कुछेक घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन चिंतित रह सकता है लेकिन आप अपनी बुद्धि और विवेक से उन समस्याओं का समाधान अंततः खोजने में कामयाब हो जाएंगे। इस दौरान करियर-कारोबार अनुकूलता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। कामकाजी महिलाओं के कद एवं पद में वृद्धि से उनका मान-सम्मान न सिर्फ कार्यक्षेत्र में बल्कि घर-परिवार में भी बढ़ेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में रमेगा। इस दौरान अचानक से तीर्थाटन का भी योग बन सकता है। छात्रों का मन पढ़ाई में रमेगा। सेहत सामान्य बनी रहेगी। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। माता-पिता पर आपका विशेष स्नेह बरसेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। ससुराल पक्ष से विशेष सहयोग की प्राप्ति संभव है।

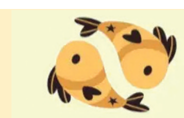
मीन

मीन राशिः मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि आप बीते कुछ समय से किन्हीं कारणों के चलते अपने लक्ष्य से भटक गये थे तो इस सप्ताह आप एक बार फिर पूरे मनोयोग से उसे हासिल करने का प्रयास करते हुए नजर आएंगे। खास बात ये कि ऐसा करते समय आपको अपने शुभचिंतकों का पूरा सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह पूरा सप्ताह आपके लिए शुभ साबित होने जा रहा है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की चाल नाकाम होगी और आपका कद और पद बढ़ेगा। यदि आप रोजी-रोजगार में बदलाव की सोच रहे थे आपकी यह मनोकामना भी इस सप्ताह पूरी हो सकती है। आपको किसी दूसरी संस्था से अच्छा आफर आ सकता है। व्यवसाय की दृष्टि से पूरा सप्ताह शुभ है। इस सप्ताह पूर्व में किसी योजना अथवा शेयर आदि में किए गए निवेश से लाभ मिलने की पूरी संभावना बन रही है। आकस्मिक धन लाभ के भी योग बनेंगे। मसलन, कारोबारियों का बाजार में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। लव पार्टनर के साथ सुखद समय व्यतीत करने के अवसर प्राप्त होंगे। पूरे सप्ताह परिजनों, मित्रों एवं जीवनसाथी से अपेक्षित सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

पृष्ठ 1 का शेष

बजट 2025 : जम्मू-कश्मीर को केंद्रीय

रुपये का प्रावधान किया गया है। यह व्यवस्था पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। वहीं, छात्राओं के हॉस्टल के लिए पीएम गर्ल्स हॉस्टल योजना के तहत बजट में दो करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पिछले बजट में भी दो करोड़ रुपये दिए गए थे। अमरनाथ यात्रा के दौरान दूरसंचार संपर्क मुहैया कराने के लिए बीएसएनएल को एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

इन चार परियोजनाओं के लिए नहीं मिला पैसा

इस बार के बजट में किसी विद्युत परियोजना के लिए अतिरिक्त प्रावधान नहीं किया गया है। पिछले बजट में 624 मेगावाट कीरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए 130 करोड़ मिले थे। 800 मेगावाट रेटले हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 476.44 करोड़ और 540 मेगावाट क्वार हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए 171.23 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं, झेलम तवी फ्लड रिकवरी प्रोजेक्ट (जेटीएफआरपी) के लिए 500 करोड़ रुपये दिए गए थे। संशोधित कर दरें मध्यम वर्ग के जीवन में बदलाव लाने वाला ऐतिहासिक कदम - एलजीएलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि भारत सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से विकास कर रहा है। ये बजट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर, एमएसएमई, ऊर्जा क्षेत्र, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। संशोधित कर दरें मध्यम वर्ग के जीवन में बदलाव लाने वाला ऐतिहासिक कदम है। व्यावहारिक बजट के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद। अर्थव्यवस्था को तेजी से पटरी पर लाने व गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए साहसिक विकास पहल के लिए प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी का मैं आभारी हूं।

लद्दाख को 4,692.15 करोड़ मिले, पिछली बार से 1,265 करोड़ कम

आम बजट में इस बार केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पिछले बजट के मुकाबले निराशा हाथ लगी है। पिछली बार की तुलना में नए वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार ने लद्दाख के लिए 4,692.15 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष की तुलना में 1,265.85 करोड़ रुपये कम है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आम बजट में लद्दाख के लिए 4,500 करोड़ का आवंटन किया गया था। बजट घोषणा के मुताबिक नए वित्तीय वर्ष में लद्दाख को 4,692.15 करोड़ रुपये मिलेंगे। इनमें राजस्व व्यय के लिए 2,450 करोड़ और पूंजीगत व्यय के रूप में 2,242.15 करोड़ शामिल हैं। गौरतलब है कि बीते साल जुलाई में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट में लद्दाख को 5,958 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। यह राशि 2023-24 में आवंटित 4,500 करोड़ रुपये से 32 प्रतिशत ज्यादा थी।

जम्मू-कश्मीर के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान, निवेशकों को मिलेगा प्रोत्साहन

जम्मू कश्मीर के औद्योगिक विकास के लिए नई केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए केंद्रीय बजट में 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत अब तक 971 निवेशक पंजीकृत हुए हैं। योजना के तहत 2037 तक निवेशकों को पूंजी निवेश प्रोत्साहन, पूंजी ब्याज अनुदान, माल और सेवा कर से जुड़ा प्रोत्साहन और कार्यशील पूंजी ब्याज अनुदान के तहत प्रोत्साहन दिए जाएंगे। पिछले बजट में भी प्रोत्साहन और औद्योगिक विकास के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इस औद्योगिक योजना को वर्ष 2021 में लाया गया था। योजना के तहत एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के अब तक निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। अब तक 8000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो चुका है। जिसमें करीब 900 औद्योगिक इकाइयों के जमीनी स्तर पर कार्य शुरू करने के दावे किए गए हैं। इस योजना के तहत 500 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश की कई इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं। पैकेज का विस्तार न होने से 300 निवेशकों का पंजीकरण नहींजम्मू। केंद्रीय बजट में नई केंद्रीय क्षेत्र योजना पैकेज का विस्तार न होने से करीब 300 निवेशकों का पंजीकरण नहीं हो पाया है। वर्ष 2021 में इस योजना के जमीन पर उतरने के बाद 30 सितंबर 2024 को इसका बजट प्रावधान खत्म हो गया था। जिसके बाद लगातार इसके बजट पैकेज को 28400 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 75000 करोड़ रुपये करने की मांग की जा रही थी। इसमें 46000 करोड़ के अतिरिक्त पैकेज की मांग की गई थी। पैकेज का विस्तार न होने से मशीनरी पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश रुक गया है। जिन निवेशकों से कुछ राशि प्रोजेक्टों पर लगाई है, वे प्रोत्साहन पर संशय के कारण और पैसा नहीं लगा रहे हैं। उपराज्यपाल और सीएम ने केंद्र से लगाई थी गुहारकेंद्रीय क्षेत्र योजना के विस्तार के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से गुहार लगाई थी। इसमें मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात भी की थी।

देश विदेश से आने वाले निवेश को झटका-फेडरेशन

फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज, जम्मू के अध्यक्ष एवं बाड़ी ब्राह्मणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान ललित महाजन ने कहा कि बजट प्रस्तावों में जम्मू-कश्मीर की मौजूदा और नई इकाइयों के लिए प्रोत्साहन के केंद्रीय पैकेज के विस्तार का कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया है। जम्मू कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों के निवेशक लगातार केंद्रीय पैकेज की मांग कर रहे थे। लेकिन ऐसा न होने से मौजूदा इकाइयों के साथ देश विदेश से आने वाले आगामी निवेश को झटका लगा है। मौजूदा कार्यशील औद्योगिक इकाइयों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन के लिए कोई घोषणा नहीं हुई है। उन्हें 1800 करोड़ रुपये की तुलना में मौजूदा सिर्फ 500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन मिल रहा है। हालांकि एमएसएमई के लिए टर्नओवर वर्गीकरण मानदंड में संशोधन किया गया है।

औद्योगिक विकास में चुनौती बढ़ेगी-चैंबर

चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री जम्मू के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि आम बजट में रक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, विकास, निर्यात, महिलाओं, युवाओं, निम्न मध्यम वर्ग के लोगों और मेक इन इंडिया मिशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। लेकिन जम्मू कश्मीर खासतौर पर जम्मू में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए कोई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्थापित करने की घोषणा न होने से निराशा हुई है। जम्मू में किसी बड़े पर्यटन स्थल की स्थापना की घोषणा नहीं की गई। चूंकि कश्मीर तक रेल का विस्तार हो रहा है, ऐसे में जम्मू में पर्यटकों को रोकने के लिए आकर्षक प्रयास जरूरी हैं। 36 जीवन रक्षक दवाओं में मूल सीमा शुल्क में कटौती सही है। बजट में कैंसर डे केयर केंद्र खोलने, 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट, 2028 तक जल जीवन मिशन के तहत 100 प्रतिशत कवरेज सराहनीय है।

उपराज्यपाल ने संसद में माननीय वित्त और

भारत की बढ़ती आकांक्षा को दर्शाता है। कृषि जिला कार्यक्रम सहित विभिन्न पहलों के साथ कृषि विकास पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य ग्रामीण समृद्धि और सामाजिक समानता के दृष्टिकोण को साकार करना है। भारत सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से विकास कर रहा है और यह बजट बुनियादी ढांचा क्षेत्र, एमएसएमई, ऊर्जा क्षेत्र, नवाचार, रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा और अधिक समावेशी और अधिक टिकाऊ विकास के लिए प्रमुख क्षेत्रों में परिवर्तनकारी सुधारों को आगे बढ़ाएगा।

ओटीएम मुंबई पर पर्यटन हितधारकों ने

टूरिज्म एलायंस, तीर्थयात्रा और अवकाश टूर ऑपरेटर्स फोरम, एसोसिएशन ऑफ कश्मीर टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया जेएंडके चैप्टर, इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स-जेएंडके चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया-जेएंडके चैप्टर के प्रतिनिधि शामिल थे। पर्यटन बिरादरी के नेताओं ने कहा कि वे मजबूत प्रचार प्रयासों और उन्नत पर्यटन नीतियों की आशा करते हैं जिससे उद्योग को लाभ होगा और जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा। ओटीएम के मौके पर, जम्मू और कश्मीर पर्यटन ने क्षेत्र को व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए ट्राइडेंट, बीकेसी, मुंबई में एक एमआईसीई मीट का भी आयोजन किया। इस पहल से कॉर्पोरेट सम्मेलनों और बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों को आकर्षित करके जम्मू-कश्मीर के पर्यटन विकास पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

हथियार दिखाकर ग्रेटर कैलाश में

और ऐसे ही गए जैसे आए थे। पुलिस की तरफ से विजयपुर के राया मोड़ समेत पूरे रिंग रोड के आसपास के इलाकों में 100 से अधिक सीसीटीवी को खंगाला है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। क्योंकि, आरोपियों ने हेलमेट से चेहरे को छिपा रखा था। इसलिए उन्हें पहचानना भी चुनौती बना हुआ है। ये इतने शातिर थे कि इन्हें मालूम था कि दोनों के हेलमेट पहनने पर भागते समय रास्ते में कहीं रोका नहीं जाएगा।

इसलिए भागने के बाद हेलमेट नहीं उतारी। डीएसपी जिशान भट्ट का कहना है कि पुलिस ने वारदात स्थल के आसपास 100 मीटर तक का डंप डाटा खंगाला है। देखा जा रहा है कि वारदात के वक्त किन किन लोगों की फोन से बात हुई। कइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है।चीखती रही महिला, गहने लूटते रहे बदमाश वारदात के वक्त महिला लगातार चीखती रही। इसके बावजूद बदमाशों ने शीशे तोड़कर गहने लूटे। इतने शोर के बावजूद भी महिला की मदद करने के लिए कोई नहीं पहुंचा।

76वें गणतंत्र दिवस समारोह का समापन बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ हुआ

जम्मू

प्रथागत 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह ने एमए स्टेडियम में चार दिवसीय गणतंत्र दिवस समारोह का समापन किया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा समारोह के मुख्य अतिथि थे।

सशस्त्र बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के ब्रास बैंड और पाइप ड्रम बैंड की मनमोहक देशभक्ति धुनों और ऐ मेरे वतन के लोगों और अन्य मनमोहक संगीतमय धुनों पर संगीतमय प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह में जम्मू कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों की टुकड़ियों का अभिनंदन भी किया गया, भव्य कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उपराज्यपाल द्वारा परेड कमांडर, उप परेड कमांडर, पूर्व सैनिकों, नागरिक प्रशासन के अधिकारियों, एनसीसी के कैडेटों की मार्चिंग टुकड़ियों, सांस्कृतिक कलाकारों, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और विभिन्न विभागों की झांकियों को सम्मानित किया गया।

उपराज्यपाल ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

बीटिंग रिट्रीट समारोह का समापन लोकप्रिय 'सारे जहां से अच्छा' के साथ शानदार आतिशबाजी और ध्वनि और प्रकाश प्रदर्शन के साथ राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सतीश शर्मा ने रेलवे स्टेशन पर चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया

प्रमुख परिवहन केंद्रों पर शयनगृह, शौचालय, ड्राइवर सराय स्थापित करने के संकेत

जम्मू

खाद्य और नागरिक आपूर्ति, परिवहन और आईटी मंत्री, सतीश शर्मा ने रेलवे स्टेशन, जम्मू में एक चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया।

परिवहन कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य विभाग और टैक्सी ऑपरेटर यूनियन रेलवे स्टेशन जम्मू के सहयोग से मोटर वाहन विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया था।

शिविर के दौरान, 450 से अधिक ड्राइवरों ने भाग लिया और रंग अंधापन और अन्य नेत्र दृष्टि संबंधी समस्याओं के लिए बीपी, शुगर और आंखों की जांच कराई। मंत्री के साथ जेकेएस रेंज के डीआइजी, परिवहन आयुक्त, एसएसपी रेलवे, संयुक्त परिवहन आयुक्त, आरटीओ जम्मू, सीएमओ जम्मू और संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने उन ड्राइवरों के समर्पण की सराहना की, जिन्होंने अपने कठिन कार्यक्रम के बावजूद, दैनिक कमाई से अधिक अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए शिविर में भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों से सीट बेल्ट और हेलमेट पहनने और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बचने सहित सड़क सुरक्षा उपायों का पालन करके जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आग्रह किया।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ड्राइवर एक जिम्मेदार और प्रगतिशील समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि उनका व्यवहार संघर्ष के समय में अपने वाहनों में यात्रा करने वाले युवाओं के मन को प्रभावित करता है।

सतीश शर्मा ने सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता व्यक्त की, जिसमें सालाना लगभग 1,70,000 लोगों की जान जाती है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह संख्या कुछ बीमारियों से होने वाली मौतों से भी अधिक है। उन्होंने सभी हितधारकों से आगे आकर सड़क सुरक्षा और दुर्घटना की रोकथाम में योगदान देने का आह्वान किया।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि परिवहन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ड्राइवरों के लिए मासिक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, ड्राइवरों और उनके सहायकों के कल्याण के लिए प्रमुख परिवहन केंद्रों पर शयनगृह, शौचालय और एक ड्राइवर सराय स्थापित करने के प्रयास किए जाएंगे।

इससे पहले, परिवहन आयुक्त और डीआइजी ने सड़क सुरक्षा के महत्व और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में विस्तार से बात की।

मंत्री ने कहा, यह पहल सड़क सुरक्षा बढ़ाने, परिवहन कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने और जम्मू-कश्मीर में एक जिम्मेदार ड्राइविंग संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

उपराज्यपाल ने एम्स जम्मू में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

विशेषज्ञों से एसओपी को अद्यतन रखने और जीवन-घातक बीमारी से पीड़ित व्यक्ति यों की जरूरतों, परिवारों की भलाई, दर्द और पीड़ा को कम करने और आध्यात्मिक सहायता प्रदान करने के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह किया

निजी क्षेत्र को प्रशासन के साथ मिलकर पिछड़े और दूरदराज के इलाकों में प्रशामक देखभाल केंद्र स्थापित करने के लिए कहा

सभी विशेषज्ञों और इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर को बहु-क्षेत्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए ताकि प्रशिक्षित देखभाल करने वालों का एक मानव संसाधन पूल उपलब्ध कराया जा सके-एलजी सिन्हा

लाइलाज बीमारी से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता के लिए उपशामक देखभाल में प्रगति और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए 800 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि विचार-विमर्श में शामिल होंगे

उपराज्यपाल ने एम्स जम्मू में रेडियोथेरेपी ऑन्कोलॉजी और ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया, एम्स पेन पॉलिसी लॉन्च की

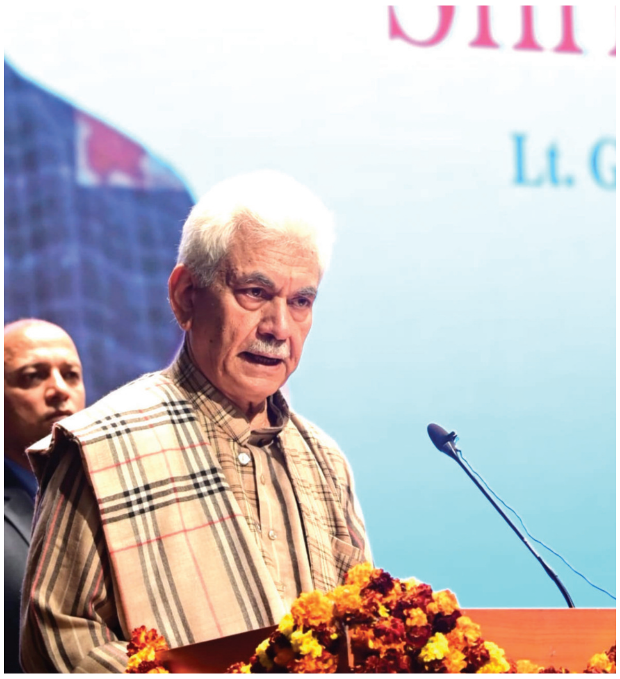

सांबा

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एम्स जम्मू में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

लाइलाज बीमारी से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता के लिए उपशामक देखभाल में प्रगति और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए 800 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि विचार-विमर्श में शामिल होंगे। तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन आईएपीसी जेएंडके चैप्टर और एम्स, जम्मू द्वारा किया जा रहा है।

अपने मुख्य भाषण में, उपराज्यपाल ने विशेषज्ञों से मानक संचालन प्रक्रियाओं को अद्यतन रखने और जीवन-घातक बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों की जरूरतों, परिवारों की भलाई, दर्द और पीड़ा को कम करने और आध्यात्मिक समर्थन प्रदान करने के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने निजी क्षेत्र से पिछड़े और दूरदराज के इलाकों में प्रशामक देखभाल केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशासन के साथ काम करने को कहा।

उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर में, प्रशासन ने 2022 में सभी जिलों में 10 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक प्रशामक और वृद्धावस्था देखभाल वार्ड स्थापित किए थे। हमने कुछ हद तक शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने का प्रयास किया है। हमारा उद्देश्य लोगों के दरवाजे पर चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता पहुंचाना है।

उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि सभी विशेषज्ञों और भारतीय प्रशामक देखभाल संघ को बहु-क्षेत्रीय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए ताकि प्रशिक्षित देखभाल करने वालों का एक मानव संसाधन पूल उपलब्ध कराया जा सके।

उपराज्यपाल ने कहा उपशामक देखभाल में, स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की रोगियों के दर्द और पीड़ा को कम करने की नैतिक जिम्मेदारी है। दर्द प्रबंधन के लिए नवीन दृष्टिकोण अपनाने के अलावा, सभी स्तरों पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को ऐसे रोगियों की देखभाल में निरंतरता के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में उपचारात्मक देखभाल और प्रशामक देखभाल के निर्बाध एकीकरण के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला स्तर पर सामुदायिक जागरूकता, उपशामक सहायता और दर्द प्रबंधन के लिए एक समान एसओपी तैयार की जा सकती है।

उन्होंने कहा, प्रशामक देखभाल प्रणाली लगातार विकसित हो रही है और हमें रणनीतिक ढांचे, एसओपी और इसके प्रभावी कार्यान्वयन पर काम करने की जरूरत है।

उपराज्यपाल ने बढ़ती आबादी के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं और विशेष सेवाओं में अंतर को पाटने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने कहा 2050 तक, भारत की कुल जनसंख्या का 20.8 प्रतिषत 60 वर्ष से अधिक आयु का होगा। बुजुर्ग आबादी में इस वृद्धि के लिए हमें एक मजबूत देखभाल अर्थव्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे बुजुर्ग स्वस्थ, सम्मानजनक और पूर्ण जीवन जी सकें।''

उन्होंने एक व्यापक स्वास्थ्य देखभाल पैकेज विकसित करने का भी सुझाव दिया जिसमें नियमित जांच, वृद्धावस्था देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और उपशामक देखभाल शामिल है।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने एम्स जम्मू में रेडियोथेरेपी ऑन्कोलॉजी और ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। उन्होंने एम्स दर्द नीति लॉन्च की और दर्द मुक्त रोगी देखभाल के एम्स जम्मू के दृष्टिकोण की सराहना की।

उन्होंने प्रशामक देखभाल के सिद्धांतों के आधार पर विशेष देखभाल के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर की भी सराहना की।

इस बीच, उपराज्यपाल ने एम्स, जम्मू में विभिन्न ब्लॉकों का निरीक्षण किया और चिकित्सा कर्मचारियों के साथ बातचीत की। एनेस्थिसियोलॉजी विभाग की मानक संचालन प्रक्रियाएं और कीमोथेरेपी की रोगी सूचना पुस्तिका भी लॉन्च की गई।

एम्स जम्मू में रेडियोथेरेपी ऑन्कोलॉजी सुविधा की स्थापना से रोगियों को विकिरण चिकित्सा के लिए लंबी दूरी की यात्रा करने की आवश्यकता कम हो जाएगी, जिससे क्षेत्र के भीतर समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।

यह सेवा कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या को पूरा करेगी, उन्नत रेडियोथेरेपी तकनीकों, व्यक्तिगत उपचार योजनाओं और बहु-विषयक देखभाल की पेशकश करेगी। आईसीएमआर के राष्ट्रीय कैंसर डेटा प्रोजेक्ट के तहत अस्पताल-आधारित कैंसर रजिस्ट्री भी शुरू की गई है जो प्रभावी कैंसर देखभाल संचालन और रणनीतियों को आकार देने में सहायता करेगी।

एम्स जम्मू में 08 उन्नत ऑपरेशन थिएटरों वाले ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स में वास्तविक समय के चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए लाइव सर्जिकल प्रसारण के साथ चार एकीकृत ओटी, प्रत्यारोपण और कॉकलियर प्रत्यारोपण जैसी जटिल प्रक्रियाओं के लिए रोटेटरी एमआरआई और सीटी स्कैन तकनीक के साथ एक हाइब्रिड ओटी शामिल है। ओटी सुविधा में सटीक और बेहतर सीखने के लिए हाई-डेफिनिशन ऑडियो-विजुअल सिस्टम, सर्जिकल प्रक्रियाओं में दक्षता सुनिश्चित करने वाला मॉड्यूलर डिजाइन है।

कार्यकारी निदेशक और सीईओ एम्स जम्मू डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता, अध्यक्ष इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर प्रोफेसर सुषमा भटनागर, अध्यक्ष आईएपीसी जम्मू-कश्मीर चैप्टर डॉ. रोहित लाहौरी, आयोजन सचिव डॉ. सुनाना गुप्ता, वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ, आईएपीसी के सदस्य और चिकित्सा समुदाय उपस्थित थे।